बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 195 | मंगलवार 05 नवंबर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

आगरा में वायुसेना का मिग-29 क्रैश

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में सोमवार को वायुसेना का मिग-29 विमान खेतों में क्रैश हो गया। जिले के कागारौल क्षेत्र में बघा सोनिगा गांव से तीन किलोमीटर दूर खेतों विमान के गिरते ही आग लग गई। विमान के क्रैश होने से पायले उसके पायलट और को पायलट पैराशूट के मदद से विमान से निकल गए। बताया गया कि ग्वालियर में वायुसेना की एक्सरसाइज चल रही है, वहीं से विमान ने उड़ान भरी थी। मिली जानकारी के मुताबिक, ग्वालियर एयरबेस से उड़ान भरने के बाद वायुसेना का मिग-29 विमान सोमवार शाम कागारौल क्षेत्र में क्रैश हो गया।विमान क्रैश होने पर दोनों चालक पैराशूट से सुरक्षित उतर गए। उनसे करीब तीन किलोमीटर दूर गांव के बाहर खेतों में विमान गिरा, जिसमें धमाके के साथ आग लग गई। घटना सोमवार शाम चार बजे की है। कागरौल के गांव बघा सोनगा के लोगों ने सोमवार शाम को वायुसेना का विमान खेतों में गिरता हुआ दिखा। भारतीय वायुसेना की ओर से जारी बयान में बताया गया कि भारतीय वायुसेना का एक मिग-29 विमान आज आगरा के पास एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान सिस्टम में खराबी आने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट ने विमान को सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने से पहले यह सुनिश्चित करने के लिए कि जमीन पर जान-माल को कोई नुकसान न पहुंचे, विमान को नियंत्रित किया। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए भारतीय वायुसेना ने जांच के आदेश दिए हैं।

दिल्ली में क्यों बढ़ रहा है प्रदूषण? पर्यावरण मंत्री प्रदूषण को लेकर दी जानकारी ।

हवा की कम गति के कारण दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ रहा: गोपाल राय ,विभिन्न विभागों और एजेंसियों द्वारा किए गए सभी मापों की समीक्षा होगी

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को कहा कि हवा की कम गति के कारण दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। दिल्ली में सोमवार सुबह धुंध की मोटी परत छाई रही, जिससे हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी के उच्च स्तर पर बनी रही। गोपाल राय ने कहा, ‍मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान में गिरावट के साथ शहर में हवा का दबाव कम है, जिसके कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। सरकार इस पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह 9 बजे 373 रहा । 39 निगरानी स्टेशनों में से 11 में प्रदूषण का स्तर 'गंभीर' आंकड़ों से पता चला कि राष्ट्रीय राजधानी के 39 निगरानी स्टेशनों में से 11 में प्रदूषण का स्तर 'गंभीर' दर्ज किया गया, जिसमें वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से ऊपर था। शून्य और 50 के बीच एक अदकको 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब', 401 और 450 के बीच 'गंभीर' और 450 से ऊपर 'गंभीर प्लस' माना जाता है। गोपाल राय ने कहा कि वह मंगलवार को शीतकालीन कार्य योजना के तहत विभिन्न विभागों और एजेंसियों द्वारा किए गए सभी मापों की समीक्षा करेंगे। पर्यावरण मंत्री ने यह भी उम्मीद जताई कि केंद्र प्रदूषण की समस्या को कम करने के लिए कृत्रिम बारिश के उपयोग के संबंध में एक बैठक बुलाएगा। गोपाल राय ने 23 अक्टूबर को इस मामले पर केंद्र को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा कि अगर बैठक नहीं बुलाई गई तो वह फिर से संपर्क करेंगे।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क करे।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो.नं:-9911733939

[सुविचार]

कांग्रेस की शिकायत पर हटाई गई महाराष्ट्र की DGP रश्मि शुक्ला

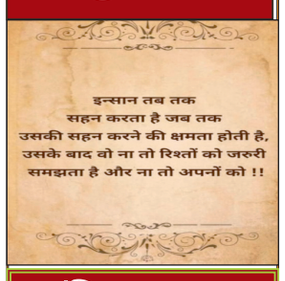

मुंबई। चुनाव आयोग ने कांग्रेस की शिकायत पर महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला को उनके पद से हटा दिया है। रश्मि शुक्ला के तबादले के बाद मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फनसालकर को सोमवार को राज्य सरकार ने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले, चुनाव आयोग ने सोमवार को राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह विपक्षी कांग्रेस सहित राजनीतिक दलों की शिकायतों के बाद महाराष्ट्र की पहली महिला डीजीपी शुक्ला का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दे।चुनाव निकाय ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वह शुक्ला का प्रभार कैडर के अगले सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को सौंप दें। अधिकारी ने बताया कि तदनुसार, 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी फनसालकर को नए राज्य पुलिस प्रमुख की नियुक्ति होने तक डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह दूसरी बार है जब फनसालकर को राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारी की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। तत्कालीन डीजीपी रजनीश सेठ की सेवानिवृत्ति के बाद वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को अस्थायी रूप से 10 दिनों के लिए - 31 दिसंबर 2023 से 9 जनवरी 2024 तक - राज्य पुलिस प्रमुख की भूमिका सौंपी गई थी।

मोदी झारखंड में भ्रष्टाचार पर बोले.....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को झारखंड विधानसभा के पहले फेज में होने वाली 43 सीटों पर चुनाव के लिए गढ़वा और चाईबासा में दो रैलियां की। पहली रैली गढ़वा में की। जो आजादी के बाद गढ़वा में पहली बार किसी प्रधानमंत्री की चुनावी सभा थी। ढट मोदी की दूसरी सभा चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में की। यहां उन्होंने अपना पूरा भाषण आदिवासियों पर फोकस रखा। प्रधानमंत्री ने कहा- 'कुछ लोग जो यहां बैठे हैं वो कहते थे हमारी छाती पर झारखंड बनेगा। उनकी छाती पर झारखंड बन गया, लेकिन झारखंड के कुछ नेता उनकी गोदी में जाकर बैठ गए। पीएम का इशारा लालू प्रसाद यादव और हेमंत सोरेन पर था।' मोदी ने हेमंत सोरेन का नाम लिए बिना उनके और उनके मंत्रियों के भ्रष्टाचार का जिक्र किया। उन्होंने कहा- मंत्री, विधायक हर कोई भ्रष्टाचार में शामिल है। एक मंत्री के घर से नोटों का पहाड़ निकला। मैंने भी पहली बार नोटों का पहाड़ टीवी पर देखा। मोदी ने परिवारवाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा- खटट, राजद और कांग्रेस तीनों ही पार्टियां घोर परिवारवादी हैं। ये चाहती हैं कि सत्ता की चाबी हमारे परिवार के हाथ में ही रहे। हालांकि खुद भाजपा ने इस बार 68 में से 18 सीटों पर नेताओं के रिश्तेदारों को टिकट दिया है। वहीं क्ठउक्रअ ब्लॉक ने 20 सीटों पर नेताओं के रिश्तेदारों को उतारा है।

आंखों में जलन से गाजियाबाद के लोगों का बुरा हाल

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में जिले के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई अदक) सोमवार को 295 दर्ज किया गया। जिले में लोनी का एक्यूआई सर्वाधिक 369 और वसुंधरा का एक्यूआई 312 दर्ज किया गया। ये दोनों सेंटर रेड जोन में बने रहे। एक्यूआई में इजाफा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।जिले में ग्रेप (ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान) लागू होने के बाद से ही हवा केवल एक दिन ही मध्यम श्रेणी में रही है। बाकी दिन खराब व बेहद खराब दर्ज की गई है। लोनी का वायु गुणवत्ता सूचकांक शुक्रवार को 353 दर्ज किया गया।वहीं, संजयनगर, इंदिरापुरम व वसुंधरा के मुकाबले सबसे खराब रही। प्रदूषण के कारण आंखों में जलन रही। लोनी में अवैध फैक्ट्रियों के संचालन को प्रदूषण का मुख्य कारण माना जा रहा है। वहीं, इंदिरापुरम व संजय नगर में सड़कों पर उड़ती धूल को अधिकारी प्रदूषण का कारण मान रहे हैं।लोगों का कहना है कि अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। यही स्थिति रही तो हवा जल्द ही गंभीर श्रेणी में पहुंच जाएगी। अभी से ही सांस लेने में दिक्कत व आंखों में जलन होने लगी हजगह-जगह खुले में निर्माण सामग्री बिक रही है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा इन पर कार्रवाई के नाम पर खानापूरी की जा रही है। कूड़े में आग लगाने की घटनाएं कम नहीं हो रही है। रविवार को हिंडन नहर रोड सहित विभिन्न स्थानों पर कूड़े में आग लगती मिली। कूड़े में आग लगने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ रहे वायु प्रदूषण को लेकर लोग चिंता में हैं। वहीं, आगे सर्दी बढ़ने से अभी मौसम में और बदलाव आएगा। अब धीरे-धीरे स्मॉग भी बढ़ने लगेगा। इससे लोगों को और ज्यादा दिक्कत होगी। हालांकि, प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए प्रशासन भी लगा हुआ हैै।।

संक्षिप्त समाचार

पीएम ने कहा कि ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कमजोर नहीं करेंगे।

नई दिल्ली। कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हुए हमले को लेकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सख्त लहजे में प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कमजोर नहीं करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि कनाडा में हिंदू मंदिर पर जानबूझकर हमला किया गया है और वह इसकी निंदा करते हैं। पीएम मोदी ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं करेंगे। हम कनाडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून के शासन को बनाए रखने की उम्मीद करते हैं।'इससे पहले कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू महासभा मंदिर को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाया था। चरमपंथियों ने हिंदू भक्तों पर भी हमला किया। हमलों के बाद, कनाडा में हिंदू समुदाय के लिए काम करने वाले एक गैर-लाभकारी संगठन हिंदू कैनेडियन फाउंडेशन ने मंदिर पर हमले का एक वीडियो साझा किया और कहा कि खालिस्तानी आतंकवादियों ने बच्चों और महिलाओं पर हमला किया।

उत्तराखंड में बड़ा हादसा; अल्मोड़ा में बस खाई में गिरी, 36 यात्रियों की मौत, कई घायल

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। माचुर्ला के पास एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं।

चार घायलों को एयरलिफ्ट भी किया गया है। तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया

गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम मौके पर

है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के माचुर्ला इलाके के पास सोमवार को यात्रियों से भरी बस नदी में गिर गई। बस में 55 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा। एसएसपी अल्मोड़ा मौके पर पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची हैं। हादसे में 36 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। पीएमओ ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार देने की घोषणा की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने चिराग दिल्ली में छठ घाट को लेकर हुए हंगामे पर बीजेपी पर बोला हमला।

मुख्यमंत्री आतिशी ने ITO छठ घाट का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया,BJP की DDA द्वारा छठ पूजा को रोकना BJP की पूर्वांचल विरोधी मानसिकता: आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने ITO छठ घाट का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा, छठ का पर्व पूर्वांचली भाई-बहनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है और हम पिछले 10 साल से इस पर्व को पूरी दिल्ली में धूमधाम से मनाते हैं। 10 साल पहले दिल्ली में सिर्फ 60 जगह पर सरकार द्वारा छठ पर्व मनाया जाता था लेकिन आज 1000 से ज्यादा शानदार छठ घाट दिल्ली सरकार ने तैयार किये हैं, जहां सभी लोग अच्छी तरह छठी मैया की पूजा कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि चिराग दिल्ली में BJP की DDA द्वारा छठ पूजा को रोकना इखढ की पूर्वांचल विरोधी मानसिकता को दशार्ता है। वह नहीं चाहती कि दिल्ली में पूर्वांचल के लोग छठ पूजा करे। छठ पूजा सूर्य को समर्पित एक त्योहार है जो कई भारतीय राज्यों और यहां तक कि देश के बाहर भी मनाया जाता है। इस साल यह त्योहार 5 से 8 नवंबर तक मनाया जाएगा। इस बीच, विधायक सौरभ भारद्वाज ने राजधानी में कुछ स्थानों पर लोगों को कथित तौर पर प्रार्थना करने से रोकने के लिए भाजपा पर अपना हमला जारी रखा।विधायक ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, चिराग दिल्ली छठ घाट छावनी बन गया है। पुलिस के बाद अब सीआरपीएफ बटालियन भी मौजूद है। अगर जनता बीजेपी के साथ है तो इतना डर क्यों है? इससे पहले, दिल्ली की मुख्यमंत्री ने 'घटिया राजनीति' करने के लिए भारतीय जनता पार्टी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वार बंद रखकर पूर्वांचलियों को छठ पूजा मनाने से रोक रहा है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को नोटिस जारी किया।

मैसूरु। मैसूरु भूमि घोटाला मामले में लोकायुक्त पुलिस ने सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को नोटिस जारी किया। लोकायुक्त पुलिस ने सीएम सिद्धारमैया को टवऊअ भूमि आवंटन मामले में पूछताछ के लिए 6 नवंबर को तलब किया है। उन्होंने 25 अक्टूबर को मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती बी एम से पूछताछ की थी, जो इस मामले में आरोपी भी हैं। एक वरिष्ठ लोकायुक्त अधिकारी ने बताया कि हमने मुख्यमंत्री को बुधवार सुबह पेश होने के लिए कहा है। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि मुझे मैसूर लोकायुक्त ने टवऊअ के संबंध में नोटिस जारी किया है। मैं 6 नवंबर को मैसूर लोकायुक्त के पास जाऊंगा। सीएम सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू और अन्य को मैसूर स्थित लोकायुक्त पुलिस ने 27 सितंबर को दर्ज की गई एफआईआर में नामजद किया था।वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच के लिए सीबीआई को दी गई सहमति वापस लेने के खिलाफ याचिका पर सुनवाई सोमवार को चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दी।जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने सुनवाई तब स्थगित कर दी जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सीबीआई ने भी कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील दायर की है।

हैरिस हों या ट्रंप- भारत- अमेरिका संबंध होते रहेंगे सशक्त

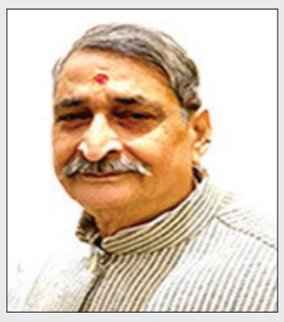

आर.के. सिन्हा

प्रवासी भारतीयों का अमेरिका में राजनीति पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव है। वे विभिन्न राजनीतिक दलों में सक्रिय हैं और उच्च पदों पर पहुंचते हैं। कांग्रेस और राज्य विधानसभाओं में महत्वपूर्ण संख्या में भारतीय-अमेरिकी सांसद हैं। वे दोनों देशों की सरकारों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। प्रवासी भारतीयों ने अमेरिका में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अमेरिका में कल ही यानि 5 नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए मतदान होने जा रहा है। इसको लेकर सारी दुनिया के साथ भारत में भी गहरी दिलचस्पी ली जा रही है। हालांकि यह बात तो शीशे की तरह साफ है कि अमेरिका का अगला राष्ट्रपति चाहें भारतीय मूल की कमला हैरिस बने हैं या डोनाल्ड ट्रंप, दोनों देशों के संबंध बेहतर बने रहेंगे। भारत और अमेरिका के बीच संबंधों का एक लंबा इतिहास है, लेकिन 21वीं सदी में इन संबंधों ने एक नया आयाम ग्रहण किया है। आज यह दो लोकतांत्रिक महाशक्तियां एक दूसरे के महत्वपूर्ण भागीदार हैं, जो वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति में साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

भारत और अमेरिका के संबंधों का इतिहास वैसे कहें तो जटिल ही रहा है। 1947 में भारत की आजादी के बाद, अमेरिका ने भारत को शीत युद्ध के दौरान एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में देखा। हालाँकि, 1960 और 1970 के दशक में, भारत की गुटनिरपेक्ष नीति और अमेरिका की पाकिस्तान के साथ निकटता के कारण दोनों देशों के बीच कुछ तनाव भी देखने को मिले। 1990 के दशक में, शीत युद्ध के खत्म होने और वैश्वीकरण के उदय ने भारत-अमेरिका संबंधों में एक नया अध्याय शुरू किया। दोनों देशों ने एक दूसरे के साथ व्यापार और निवेश को बढ़ावा दिया, और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत किया।

आज, भारत-अमेरिका संबंध विभिन्न क्षेत्रों में गहरे और मजबूत हैं। भारत अमेरिका के लिए एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार है, और अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निवेशक है। दोनों देश एक दूसरे के बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, साइबर सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा दिया है।

भारत और अमेरिका एक दूसरे के साथ तकनीकी क्षेत्र में सहयोग कर रहे हैं। भारत में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विकास की गति तेज है, और अमेरिकी कंपनियां भारत के बाजार में निवेश करने में रुचि रखती हैं। इसके साथ ही, दोनों देशों के बीच शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में भी मजबूत संबंध हैं। कई भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाते हैं, और अमेरिका में भारतीय संस्कृति की उपस्थिति बढ़ रही है। हालांकि भारत-अमेरिका संबंधों में

प्रगति हुई है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में कुछ असंतुलन है, जिसके कारण कुछ तनाव भी देखने को मिलता रहता है।

भारत-अमेरिका संबंधों में प्रवासी भारतीयों की भूमिका भी खासी अहम रही है। अमेरिका में बसे भारतीयों ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि से दोनों देशों के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण किया है। प्रवासी भारतीयों का अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान अविश्वसनीय है। वे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनमें प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, वित्त और उद्यमिता शामिल हैं। ₹सिलिकॉन वैली₹ में भारतीय मूल के उद्यमी और कार्यकर्ता प्रौद्योगिकी क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, भारतीय-अमेरिकी व्यापारियों ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रवासी भारतीयों का अमेरिका में राजनीति पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव है। वे विभिन्न राजनीतिक दलों में सक्रिय हैं और उच्च पदों पर पहुंचते हैं। कांग्रेस और राज्य विधानसभाओं में महत्वपूर्ण संख्या में भारतीय-अमेरिकी सांसद हैं। वे दोनों देशों की सरकारों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। प्रवासी भारतीयों ने अमेरिका में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे भारतीय फिल्मों, संगीत, कला और साहित्य को लोकप्रिय बनाने में सफल रहे हैं। इसके अलावा, भारतीय समुदाय अमेरिका के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने में योगदान दे रहा है, बहुसांस्कृतिक समाज को मजबूत कर रहा है।

बेशक, प्रवासी भारतीयों ने भारत और अमेरिका के बीच एक अद्वितीय पुल का निर्माण किया है। वे दोनों देशों की भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं को समझते हैं, जिससे दोनों देशों के बीच आपसी समझ और सहयोग बढ़ता है। वे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गए हैं।

हालांकि यह भी सच है कि प्रवासी भारतीयों को भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें सांस्कृतिक अलगाव, भेदभाव और नस्लीय पूर्वाग्रह शामिल हैं। हालांकि, प्रवासी भारतीयों की मेहनत, प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि ने उन्हें अमेरिका में सफलता हासिल करने और दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में सफल बनाया है। भविष्य में, प्रवासी भारतीयों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी, क्योंकि वे दोनों देशों के बीच व्यापार, शिक्षा, संस्कृति और राजनीति के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

प्रवासी भारतीयों का भारत-अमेरिका संबंधों पर एक बहुआयामी और सकारात्मक प्रभाव है। वे दोनों देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे दोनों देशों के बीच एक अद्वितीय पुल का निर्माण करते हैं, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलती है। प्रवासी भारतीयों की भूमिका भारत-अमेरिका संबंधों के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस बीच, अमेरिका में बसे भारतीयों की बात करते हुए हमें भारत में बस गए अमेरिकी नृत्यांना शेरोन लोवेन की भी चर्चा कर लेना चाहिए। शेरोन लोवेन मूल रूप से अमेरिकी हैं और वो बीते पचास सालों से भी कुछ अधिक समय से भारत की हो गई हैं। शेरोन लोवेन भारत की चोटी की ओड़िसी नृत्य की नृत्यांना हैं। उन्होंने अपना सारा जीवन ओड़िसी नृत्य सीखने और सिखाने में समर्पित कर दिया है। उन्होंने भारत और भारत से बाहर सैकड़ों कार्यक्रमों में अपने चमत्कारी नृत्य से दर्शकों का भरपूर प्यार पाया है। वो जन्म से यहूदी हैं। पर वो बुद्ध और सनातन परंपरा को गहराई से जानती हैं और उसका गहन अध्ययन भी करती हैं। शेरोन लोवेन से अब अमेरिका बहुत दूर छूट चुका है। वह भारतीय हो गई हैं। शेरोन लोवेन 1975 में मिशिगन विश्वविद्यालय से मानविकी, ललित कला, एशियाई अध्ययन और नृत्य में बीए और एमए करने के बाद दिल्ली में मणिपुरी नृत्य को सीखने के लिए भारत आईं थीं। उन्हें यहां गुरु केलुचरण महापात्रा के रूप में पहला गुरु मिला। तो कह सकते हैं कि भारत- अमेरिका संबंधों को सशक्त करने में शेरोन लोवेन जैसी विभूतियों का योगदान भी कोई कम नहीं रहा है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

कनाड़ा की अपरिपक्वता

सरकार ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कनाड़ाई मंत्री के आरोपों को 'बेतुका और निराधार' करार देते हुए खारिज कर दिया। इससे पहले शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित कनाड़ाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया गया और उन्हें एक नोट सौंपा गया जिसमें कनाड़ाई मंत्री के आचरण पर नाराजगी जताई गई। शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि नोट में भारत सरकार ने कनाड़ा के उपमंत्री डेविड मॉरिसन के आरोप पर गहरी नाराजगी जताई। मॉरिसन ने मंगलवार को एक संसदीय पैनल के समक्ष कहा था कि कनाड़ा में सिख अलगाववादियों पर हमले की साजिश के पीछे पीएम मोदी के

नेतृत्व वाली सरकार के एक शीर्ष पदस्थ अधिकारी थे। दरअसल, कनाड़ा पुलिस ने जब से खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच के दौरान मिले 'सबूतों' के आधार पर भारत सरकार के एजेंटों का नाम लिया है, तब से दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास उभर आई है। कनाड़ा पुलिस ने कहा है कि उसकी जांच में कनाड़ा में 'हत्याओं और हिंसक कृत्यों' और भारत सरकार के एजेंटों के बीच संबंधों का पता चलता है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के चलते दोनों ने एक दूसरे के राजनयिकों को वापस बुला लिया। कनाड़ा तनाव बनाए रखने का रवैया अपनाए हुए है, और बीते मंगलवार को कनाड़ाई मंत्री का बयान इसी सिलसिले का हिस्सा है। कनाड़ा आखिर, भारत के साथ संबंधों की कीमत पर इस प्रकार का रवैया क्यों अपनाए हुए है। दरअसल, कनाड़ा में निकट भविष्य में चुनाव होने हैं, और वहां सिखों की खासी आबादी है, जिस पर अलगाववादी खासा प्रभाव रखते हैं। इनके मतों पर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नजर है। इसलिए इन मतदाताओं के तुष्टिकरण की गरज से कनाड़ा गैर-जिम्मेदाराना हरकत किए जा रहा है। सबूत मांगे जाने की भी अनदेखी कर रहा है। राजनयिक परिपाटियों का 'घोर उल्लंघन' करने तक से नहीं चूक रहा। उसने भारत को साइबर खतरा पैदा करने वाले देशों की सूची तक में ड़ाल दिया है। कनाड़ा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों को ऑड़ियो और वीड़ियो निगरानी में रखकर उनका 'उत्पीड़न' शुरू कर दिया है। वह हर वो कोशिश कर रहा है जिससे भारत के खिलाफ वैश्विक विमर्श को प्रभावित कर सके। जो भी आरोप लगा रहा है, उसके समर्थन में कोई प्रमाण भी पेश नहीं कर रहा। कहा जा सकता है कि कनाड़ा के व्यवहार में परिपक्वता का अभाव है।

चिंतन-मनन

जीवन का संघर्ष

एक दिन एक व्यक्ति बहुत परेशान लग रहा था। मित्र ने पूछा- क्या बात है? आज इतने परेशान क्यों हो?

उसने कहा- मैं बहुत मुसीबत में फंस गया हूं।

मित्र बोला- तुम्हारी क्या मुसीबत हो सकती है? तुम्हारे दोनों लड़के संपन्न हैं। खूब धन कमा रहे हैं। तुम्हें किस बात की कमी है?

तुम ठीक कहते हो। लड़के संपन्न हैं, पर मेरी मुसीबत उनके कारण ही है। ?सा क्या हुआ, जो मुसीबत आ गई? मुसीबत बहुत बड़ी है। मैंने लड़कों को पढ़ाया। एक डॉक्टर बन गया और एक वकील। उनका यह व्यवसाय ही मुसीबत का कारण है।

उनके व्यवसाय से आपकी मुसीबत का लेना-देना क्या है?

हुआ यह कि एक एक्सीडेंट में मेरे पैर में चोट लग गई, पैर में घाव हो गया। जो डॉक्टर है, वह कह रहा है, पिताजी! घाव को जल्दी ठीक कर लें अन्यथा इसमें रस्सी पड़ जाएगी। हो सकता है फिर पैर काटने के सिवाय कोई विकल्प न रहे। यह तो अच्छी बात है। इसमें मुसीबत का प्रश्न ही कहां है? लेकिन जो वकील है, वह कह रहा है पिताजी! अभी घाव को ठीक नहीं करना है। इसे बढ़ने दें। जब घाव गहरा हो जाएगा, तब मैं दावा करूंगा और पूरा हजार्ना वसूल करूंगा। यही मेरी मुसीबत है। यह जीवन का संघर्ष है, टकराहट है। व्यक्ति दोनों ओर से खिंचा जा रहा है। एक लड़का कहता ठीक कर लें और एक लड़का कह रहा - घाव को और गहरा होने दें। यह जीवन का विचित्र संघर्ष है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति जी रहा है और संघर्षो को झेल रहा है।

छठ व्रत की महिमा अपरम्पार !

छठ व्रत की महिमा अपरम्पार है जिसकी ख्याति दिन दुनी रात चैगनी विश्व पैमाने पर फैलती जा रही है। इसकी अपार महिमा के चलते आज व्रत करने वालों की संख्या में भी अपार वृद्धि होती जा रही है। देश के पूर्वी भाग बिहार उ.प्र. से शुरू होने वाला यह व्रत आज देश के हर भाग सहित विश्व स्तर पर श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाया जा रहा है। इस व्रत में मुख्य रूप से सूर्य की उपासना होती है। उगते सूर्य की उपासना तो सभी करते है पर विश्व स्तर पर यह अपने आप में अद्वितीय व्रत है जहां डूबते सूर्य की भी उपासना की जाती है। इस व्रत की शुरूआत हर वर्ष कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है तथा षष्ठी तिथि की शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के उपरान्त समापन सप्तमी तिथि को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर किया जाता है। इस वर्ष यह व्रत 5 नवंबर से लेकर 8 नवम्बर तक मनाया जायेगा।

इस व्रत में व्रत करने वाला व्रती चतुर्थी तिथि से नहाय खाय, पंचमी को खरना, षष्ठी तिथि के प्रारम्भ से ही बिना अन्न जल ग्रहण किये व्रत करते हुये नदी, जलाशय, तलाब में जल में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देने एवं सप्तमी तिथि को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत को पूरा करता है। इस व्रत में पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जाता है। इस व्रत में प्रसाद में सारे मौसमी फल, गन्ना, ठेकुआ शामिल होता है। व्रत करने वाला परिवार इस व्रत को आस्था एवं पूर्ण विश्वास से करता है, मान्यता है कि इस व्रत को करने वाले की हर मनोकामना पूर्ण होती है। इस व्रत को अधिकांशंतः महिलाएं ही करती है। विशेष पुत्र प्राप्ति की कामना हेतु पुरूष भी इस व्रत को अपनी पत्नी के

साथ करते देखे जा सकते है।

इस व्रत को करने की परमपरा अनादि काल से चली आ रही है। इस व्रत को प्राचीन काल से ही नाग, किन्नर, मानव में करने के प्रमाण मिलते है। संकट काल में द्वापर युग में दौपदी द्वारा इस व्रत को करने एवं पांडवों को अपना राज्य मिलने की भी बात प्रमुख रही है। यह व्रत विहार, झारखंड के हर परिवार में श्रद्धा के साथ प्रति वर्ष किया जाता है। इस प्रांत के निवासी देश, विदेश जहां भी रहते है, श्रद्धा के साथ वही इस व्रत को करते है। इसी करण यह व्रत आज अंतर्राष्टीय रुप ले चुका है। देश का हर कोना- कोना आज इस व्रत की गूंज से गुंजयमान तो हो ही रहा है, मारिशश, फीजी, सूरीनामी आदि देश में भी इस छठ पूजा की धूम मची हुई है।

षष्ठी तिथि को अस्थाचल होते हुए सूर्य को प्रथम अर्घ्य इस कामना एवं विश्वास के साथ कि उदय के समय हमारी झोली खुशियों से सूर्य देव की असीम कृपा से सदा के लिये भर जायेगी, दूसरे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत की समाप्ति होती है। इस अवसर पर घाट का दृश्य अति मनोरम होता है। ईख से अच्छादित वातावरण हर किसी को अपनी ओर खींच लेता है।

इस व्रत की महिमा अपरम्पार है। जिस किसी ने भी इस व्रत को विश्वास एवं श्रद्धा के साथ किया है। उसकी हर मनोकामना पूर्ण हुई है। पुत्र, यश, धन प्राप्ति के लिये किये इस व्रत के परिणाम सदैव ही सकरात्मक रहे है। तभी इस व्रत को करने वालों की संख्या में निरंतर वृद्धि ही होती जा रही है। आज यह व्रत केवल विहार, झारखंड प्रांत का ही नहीं होकर पूरे देश का हो चला है। जो भी इस व्रत की अपार महिमा से परिचित हुआ है, इस व्रत को करते मिलेगा। इस व्रत को हर जाति संप्रदाय के लोग करते मिलेगें। इसी कारण यह व्रत आपसी भाईचारा एव्र सद्भावना का प्रतीक बन चुका है। आज राज्य सरकार भी इस व्रत की महिमा, आस्था, विस्वास को देखते हुये राजकीय अवकाश घोषित कर रही है जिससे व्रत की गरिमा बढ़ने लगी है। इसी वर्ष दिल्ली की राज्य सरकार ने छठ पूजा को राजकीय अवकाश में शामिल कर लिया है। आगे अन्य सरकार भी इस दिशा में अपना कदम बढ़ायेगी।

डॉ. भरत मिश्र प्राची (लेखक स्वतंत्र पत्रकार)

एमएसपीः किसानों को भरोसा देने की कोशिश

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल में केंद्र सरकार ने छह रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की है। यह वृद्धि न्यूनतम 130 रुपये और अधिकतम तीन सौ रुपये प्रति क्विंटल है। गेहूं के एमएसपी में 150 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई। रेपसीड और सरसों के दाम में प्रति क्विंटल तीन सौ रुपये बढ़ाया गया है। मसूर में 275 रुपये की वृद्धि की गई है। सरकारी दर पर रबी फसलों की खरीद-बिक्री का सत्र अप्रैल, 2024 से शुरू होगा।

खास बात यह है कि अधिकतर फसलों की एमएसपी अब लागत के लगभग डेढ़ गुना हो चुकी है, जिसकी मांग किसानों की ओर से लगातार हो रही थी। एमएसपी में 23 फसलों को शामिल किया जा चुका है। एमएसपी बढ़ाने को लेकर किसान आंदोलन करते रहे हैं। सवाल है कि क्या इस बार एमएसपी बढ़ने से अगली बार आंदोलन नहीं होगा! एमएसपी किसानों से तय दर पर फसल खरीदने की गारंटी है। इसकी वजह से किसानों को बाजार के उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिलती है। एमएसपी की शुरू आत 1967 में हुई थी। एमएसपी तय करने के लिए कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) की रिपोर्ट का इस्तेमाल किया जाता है। सीएसीपी उत्पादन लागत, बाजार के रुझान और मांग-आपूर्ति के हिसाब से एमएसपी तय करता है। एमएसपी की गणना के लिए सीएसीपी खेती की लागत को तीन हिस्सों में बांटता है। इसमें फसल उत्पादन के लिए किसानों के नकद खर्च के साथ-साथ पारिवारिक श्रम का भी हिसाब लगाया जाता है। एमएसपी बढ़ने से किसानों को लाभकारी मूल्य मिलता है, और फसल विविधीकरण में मदद मिलती है।

एमएसपी बढ़ाने को लेकर केंद्र सरकार का तर्क है कि इससे किसानों की आय बढ़ेगी। हालांकि किसान नेता सरकार के दावे से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार के कई उपाय हो सकते हैं। इसमें एक है मूल्य स्थिरता कोष का गठन यानी जब फसल की बाजार कीमत एमएसपी से नीचे चली जाए तो सरकार इसकी भरपाई करे। किसानों को धानझगेहूं की फसल की बजाय ज्यादा कीमत देने वाली फसल पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। फल, सब्जी, मवेशी, मछली पालन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उनका कहना है कि कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग की आड़ में किसानों को कंपनियों के भरोसे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। ये कंपनियां कॉन्ट्रैक्ट तोड़ देती हैं, और किसानों को घाटा उठाना पड़ता है। कर्ज में डूब जाता है और आत्महत्या तक के लिए मजबूर हो जाता है।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि एमएसपी व्यवस्था का दबदबा इस सेक्टर में इनोवेशन को हतोत्साहित करेगा। किसान सरकारी व्यवस्था पर निर्भर होकर रह जाएंगे और जोखिम लेने से डरेंगे। इसलिए किसानों को चावल-गेहूं की एमएसपी खरीद के चक्र से छुटकारा दिलाने की जरूरत है। एमएसपी की कानूनी गारंटी किसानों का अहित करेगी। उनका दावा है कि स्वामीनाथन आयोग के मुताबिक फसलों के दाम बढ़ेंगे तो खाद्य वस्तुओं के दाम 25 से 30 फीसद बढ़ जाएंगे और सरकार के लिए महंगाई नियंत्रण कठिन हो जाएगा। किसानों का कहना है कि उनकी फसल की पूरी खरीद की जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी। किसान जितनी फसल पैदा करेंगे, उसकी एमएसपी पर पूरी खरीद सरकार और उसकी एजेंसियों को करनी होगी। तभी किसानों का भला होगा और फसलों का विविधीकरण भी पूरा हो जाएगा।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि खाद्य सुरक्षा आत्मनिर्भरता देश के स्थायित्व और सम्मान का विषय है। एमएसपी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ खुले बाजार में कीमतों को नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप तंत्र भी साबित हुआ है। आयात द्वारा खाद्य सुरक्षा कतर, बहरीन आदि जैसे कम आबादी और मजबूत औद्योगिक-आर्थिक आधार वाले देशों के लिए व्यवहार्य मॉडल हो सकता है। उनका दावा है कि ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका प्रतिस्पर्धी कीमतों पर दुनिया के बाकी देशों के लिए गेहूं का उत्पादन और निर्यात कर सकते हैं, लेकिन तब कृषि गतिविधियों से जुड़े भारतीयों सहित दुनिया की आधी आबादी बेरोजगार हो जाएगी। उनका कहना है कि कुछ मामलों में आयात की पक्षपातपूर्ण सरकारी नीति ने देश में तिलहन किसानों और खाद्य तेलों के उद्योगों को हानि पहुंचाई है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में ऐसी नीतियों से बचना चाहिए।

कृषि विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र सिंह लाठर कहते हैं कि एमएसपी की कानूनी गारंटी देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ बाजारी मुद्रास्फीति को भी नियंत्रित करेगी जिससे किसानों को बिचौलियों के शोषण से बचाया जा सकेगा। एमएसपी की कानूनी गारंटी तिलहन-दालों सहित सभी कृषि वस्तुओं में आत्मनिर्भरता के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी जो ज्यादा पानी और संसाधनों की खपत वाली अनाज फसलों के उत्पादन की तुलना में किसानों के लिए अधिक लाभदायक होगी।

एसडीएम को अतिक्रमण हटाने के लिए समर्थ सेवा शिक्षा समिति (रजि) ने सौपा ज्ञापन

संस्कार उजाला
जिला प्रभारी अमित शर्मा

गढ़मुक्तेश्वर :-गढ़मुक्तेश्वर के खादर क्षेत्र में मोक्षदायनी पतित पावनी गंगा मैया के रेतीले मैदान में लगने वाले तंबू नगरी मेले के मद्देनजर गढ़ चोपला अंबेडकर पार्क के चारों तरफ फैले अतिक्रमण को हटाने को लेकर समर्थ शिक्षा सेवा समिति ने यूपी जिला अधिकारी साक्षी शर्मा को मांग पत्र सौंपकर पर हटाने की मांग की है। बता दें कि गढ़मुक्तेश्वर के खादर क्षेत्र में लगने वाले कार्तिक लकी मेले में दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के को लेकर गढ़ चोपला अंबेडकर पार्क पर फैले स्थाई /अस्थाई अतिक्रमण को लेकर समाजसेवी पंकज लोधी द्वारा जिलाधिकारी एवं मुख्यमंत्री को मांग पत्र भेजा गया था। जिसमें अवगत कराया कि यदि गढ़ चोपला अंबेडकर पार्क के चारों तरफ फैले स्थाई और अस्थाई अतिक्रमण को मेले से पूर्व नहीं हटाया जाना अति आवश्यक है। चूंकि अंबेडकर पार्क के चारों तरफ वाहनों का आवागमन नहीं किया गया। तो श्रद्धालुओं के लिए आपातकालीन जैसी गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। जिसको लेकर समर्थ शिक्षा सेवा समिति के सचिव एडवोकेट उमेश लोधी के नेतृत्व में उप जिलाधिकारी साक्षी शर्मा के माध्यम से जिलाधिकारी को मांग पत्र भेजकर समाजसेवी पंकज लोधी द्वारा की जा रही मांग का समर्थन किया गया।एवं अति शीघ्र अंबेडकर पार्क के चारों तरफ से अतिक्रमण को जनहित में हटाने के लिए अनुरोध किया गया। इस अवसर पर एडवोकेट संदीप कुमार ने उप जिलाधिकारी को बताया की अंबेडकर पार्क के रास्ते पर जंजीर की वेरिकेटिंग करके चैन बांधकर रास्ता बिल्कुल जाम कर दिया गया। जिससे बाबा साहब की प्रतिमा पर पूजा अर्चना करने वालों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।अत: तत्काल प्रभाव से की गई जंजीरों को भी हटवाना अति आवश्यक है।ज्ञापन में अवगत कराया गया कि यदि किसी कानूनी प्रक्रिया के अंतर्गत यह मार्ग अवरोध किया गया है। तो कम से कम मेले तक श्रद्धालुओं को होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए अंबेडकर पार्क के चारों ओर वाहनों का आवागमन किया जाना अति आवश्यक है। जिस पर जिलाधिकारी साक्षी शर्मा ने दो दिन में संज्ञान लेकर अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया।और कहां श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। इस अवसर पर एडवोकेट संदीप एडवोकेट राजवीर सिंह एडवोकेट विनोद कुमार अजय कुमार श्रीपाल जिद्दी मनोज गोयल अमित कुमार लक्ष्य शर्मा मुरसलीन इत्यादि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के बैनर तले पत्रकारों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजा

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के बैनर तले पत्रकारों ने कलक्ट्रेट में किया जोरदार प्रदर्शन, जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन, फतेहपुर में पत्रकार दिलीप सैनी की दबंगो द्वारा की गई निर्मम हत्या व हमीरपुर में पत्रकार को बंधक बनाकर नग्न कर की गई पिटाई पर जताया विरोध,दोनो घटनाओं पर ठोस कार्रवाई कर अपराधियों के ऊपर शिकंजा कसने की उठाई मांग, मृतक पत्रकार के परिवार को मुआवजा सहित सरकारी नौकरी देने की उठाई मांग, हमीरपुर में पत्रकार के साथ हुए दुर्व्यवहार पर प्रसाशन तत्काल करे कठोर कार्रवाई, मामला पत्रकारों के घटित घटनाओं के प्रदर्शन से जुड़ा है। इस मौके पर मदन गुप्ता जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद बांदा, नीरज निगम युवा बिंग जिलाध्यक्ष,रुपा गोयल महिला जिलाध्यक्ष , भगत सिंह वरिष्ठ पत्रकार, पूरन राय, कुलदीप त्रिपाठी, राजेन्द्र मिश्रा, आमोद कुमार, अमर सिंह,गुड्डन खान, आसिफ अली, मोहित पाल, सत्यनारायण निषाद, मितेश, दुर्गेश, दिलीप जैन, राजकुमार,सानू , राहुल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

क्षेत्रीय किसानों के गन्ना भुगतान से संबंधित समस्याओं को लेकर मिल मालकिन से कराई जाएगी वार्ता/ सी जी एम करण सिंह

संस्कार उजाला
रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला अध्यक्ष पवन हूंण के नेतृत्व में क्षेत्रीय किसानों ने गन्ना भुगतान व अन्य समस्याओं को लेकर सिंभावली शुगर मिल गेट पर धरना देने के साथ किसानो की समस्याओं से संबंधित जिला अधिकारी को भेजा ज्ञापन। बता दे कि जनपद में स्थित दोनों शुगर मिलों पर किसानों के गन्ना बकाया भुगतान का ढाई सौ करोड रुपए बकाया है। जिसको लेकर सिंभावली शुगर मिल बृजनाथपुर शुगर मिल के गन्ना पेराई सत्र 2024-25 का शुभारंभ होने से पूर्व ही भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला अध्यक्ष पवन हूंण के नेतृत्व में क्षेत्रीय किसानों ने अपने गन्ने के बकाया भुगतान सहित किसानों की अन्य समस्याओं जैसे शराब फैक्ट्री शुगर फैक्ट्री क्षेत्र की दोनों फैक्ट्रियों में किसानों के बच्चों को नौकरी हेतु विज्ञापन निकाला जाए। क्षेत्रीय किसानों को सोम खाद मैली निर्धारित मूल्य पर दी जाए क्षेत्रीय किसानों को कम मूल्य पर चीनी दी जाए साथ ही सारा फैक्ट्री के पास टूटी हुई सड़क को दोबारा से तत्काल प्रभाव से बनाया जाए। इन सभी समस्याओं का निराकरण कराने को लेकर धरना शुरू किया। साथ ही धरना स्थल पर पहुंचे तहसीलदार धर्मेंद्र सिंह एवं थाना प्रभारी निरीक्षक श्यौपाल सिंह की उपस्थिति में सीजीएम करण सिंह जीएम विश्वास राज सिंह के द्वारा धरना स्थल पर किसान यूनियन को लिखित रूप में दिया गया है। कि वह दोनों अधिकारी किसानों की समस्याओं को लेकर क्षेत्र के लगभग 50 किसानों के साथ मिल मालकिन की वार्ता कराएंगे। और उनकी समस्या का जल्द से जल्द समाधान करेंगे। अन्यथा वे अपने पद से त्यागपत्र दे देंगे।

जन लेखक संघ के जनक डा.पंकज ने मौह माया रुपी संसार से 72 वर्ष की आयु में ली विदाई

संस्कार उजाला
रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा

हापुड़ / बहुजन समाज के महान चिंतक एवं साहित्यकार डा.महेंद्र नारायण पंकज ने अपने जीवन में संघर्ष करते हुए मौह माया रुपी संसार से ली विदाई। उनकी यह कमी हमारे बहुजन साहित्य को बहुत बड़ी हानि हुई है। डा.पंकज ने निष्पक्ष भाव से जन लेखक संघ की स्थापना की जिसके वो राष्ट्रीय महासचिव भी रहे।इस संघ की शाखाएं उन्होंने तेरहा राज्यों में स्थापित ही नहीं की बल्कि नेपाल, भूटान और बंगलादेश में भी इसे स्थापित किया। डा.महेंद्र पंकज को राष्ट्रपति एवं बिहार के मुख्यमंत्री ने भी साहित्य के लिए सम्मानित किया। जनकवि /बेखौफ शायर डा.नरेश सागर ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डा.महेंद्र पंकज शरीर से जितने दुबले पतले थे। उनके हौसले उतने ही मजबूत थे।पीछली साल दिल्ली गांधी प्रतिष्ठान में मेरी उनसे पहली मुलाकात हुई वो बहुत मिलनसार और उच्च विचारो के धनी थे। उनके विचार हमको जीवन भर रह रहकर याद आते रहेंगे। डा.सागर ने कहा कि मुझे उनके ये शब्द हमेशा याद रहेंगे।जब उन्होंने मुझे जन लेखक सम्मान से सम्मानित करते हुए ये कहा कि आज साहित्य के क्षेत्र में बेखौफ शायर जैसे युवाओं की बहुत जरूरत हैं। डा.महेंद्र पंकज अपने पीछे जिस साहित्य पूंजी को छोडकर गये है। अब उसे आगे बढाते रहना ही उनके लिए सच्ची श्रद्धाजलि होगी।वो 72 साल के थे।

अशोक लाट का खुल गया ताला, छाई खुशी की लहर

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा में सोमवार 04 नवंबर 2024 को जनता दल यूनाइटेड की महिला मंच की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि आखिरकार हमारे आंदोलन और वरिष्ठ अधिकारियों तक आवाज उठाने के बाद बांदा के अशोक लाट का ताला जिला प्रशासन के द्वारा खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि बांदा प्रशासन के द्वारा अशोक लाट परिसर का ताला लगाने के बाद से आंदोलनकारी, प्रदर्शनकारी तथा अन्य पीड़ित लोगों को अपने प्रदर्शन के लिए यहां पर बैठने की कोई व्यवस्था नहीं थी क्योंकि पहले ही प्रशासन के द्वारा अशोक लाट परिसर में ताला लगा दिया गया था लेकिन एक दिन पूर्व प्रशासन को अवगत कराया गया था कि अगर सोमवार को ताला नहीं खोला गया तो यह ताला तोड़ दिया जाएगा लेकिन आखिरकार प्रशासन ने आज ताला खोल दिया और हम लोगों ने जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपनी मांगो को लेकर तथा प्रदर्शन कर संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा है। इस दौरान तमाम लोग मौजूद रहे।

उपनिरीक्षक से निरीक्षक पद पर पदोन्नत हुए जनपद के तीन उपनिरीक्षक

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 द्वारा उपनिरीक्षक से निरीक्षक पद पर पदोन्नत होने वाले पुलिसकर्मियों की सूची जारी की गई थी जिसमें जनपद बांदा में नियुक्त तीन उपनिरीक्षक निरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए हैं। सोमवार 04 नवंबर 2024 को पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल द्वारा पदोन्नत निरीक्षकों को स्टार लगाकर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान निरीक्षक पद पर पदोन्नत पुलिसकर्मियों में

1.उ0नि0 वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी थाना जसपुरा
2.उ0नि0 मोहम्मद अकरम थाना मटौन्ध
3.उ0नि0 संजय कुमार मिश्रा चौकी प्रभारी लमहेटा थाना बदौसा रहे।

अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में दिनांक 02/03.11.2024 की रात्रि को थाना बबेरु पुलिस द्वारा अवैध तमंचे के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गौरतलब हो कि रात्रि में थाना बबेरु पुलिस को रात्रि गश्त एवं चेकिंग के दौरान कस्बा बबेरु में शिवाजी चौराहे से एक युवक एक मोटरसाइकिल पर बैठा हुआ था शक होने पर पुलिस द्वारा पूछताछ करते हुए तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पुलिस द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार कर करते हुए अवैध तमंचा व कारतूस कब्जे में लिया गया। बरामदगी में 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर, 03 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रोहित उर्फ दादू पुत्र रामपाल सिंह निवासी वीर धुमाई सुरकी थाना सरधुवा जनपद चित्रकूट के तौर पर हुई। उक्त व्यक्ति पर थाना बबेरु जनपद बांदा में मु0अ0सं0 206/24 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीकृत किया गया है।

संस्कार उजाला
सच की हुंकार

संस्कार उजाला समाचार एवं विज्ञापन संपर्क करें जिला प्रभारी अमित शर्मा 8445987618 ,भूपेंद्र वर्मा संवाददाता 9756144404

तहसील मोतीपुर में डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जनपद की समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी संजय कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, तहसीलदार अम्बिका चौधरी व अन्य अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। डीएम द्वारा सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि जनसमस्याओं का निस्तारण समयबद्धता और गुणवत्ता के साथ करें। निस्तारण में अनावश्यक हीला-हवाली को अत्यन्त गम्भीरता के साथ लिया जाएगा। डीएम ने निर्देश दिया कि न्यायालय द्वारा निर्णित प्रकरणो में समय से पैमाइश सुनिश्चित की जाय। डीएम ने सचेत किया कि ऐसे प्रकरणों में यदि किसी प्रकार के विलम्ब की शिकायत मिलती है तो सम्बन्धित को निलम्बित करने की कार्यवाही की जाएगी। डीएम ने कहा कि अतिक्रमण से मुक्त कराये गये मार्गों, सार्वजनिक स्थानों इत्यादि पर दोबारा कब्जे की शिकायत मिलने पर सम्बन्धित के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाय। उल्लेखनीय है कि तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में प्राप्त 44 में 05, नानपारा में प्राप्त 23 में 02, पयागपुर में प्राप्त 27 में 03, कैसरगंज में 39 में 06, महसी में 28 में 02, सदर बहराइच में 12 में 02 का निस्तारण मौके पर किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राज कुमार, परियोजना अधिकारी डीआरडीए अरूण कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमा शंकर, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद राय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी बी.पी. सत्यार्थी, जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी, जिला गन्ना अधिकारी आनन्द शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकपूर, जिला कृषि अधिकारी सूबेदार यादव, सहायक निदेशक मत्स्य डॉ. जितेन्द्र कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी राघवेन्द्र द्विवेदी, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मंजरी भारद्वाज सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ, बीईओ, सीडीपीओ व थानाध्यक्षगण मौजूद रहे।

प्रधान ने अपने साथियों के साथ मिलकर ग्रामीण को पीटा व पत्रकार पर किया हमला

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर

लखीमपुर खीरी तहसील पलिया ग्राम गुलरा टांडा में दबंग बाबू प्रधान ने अपने साथियों के साथ मिलकर अपने गांव के ही ग्रामीणों को पीट रहा है। यदि कोई भी ग्रामीण किसी सरकारी योजना या किसी कार्य के बारे में प्रधान से बात करता है तो उसको इसी तरह से गांव में बेइज्जत करके उसको मारता है और अपनी दहशत फैला कर लोगों के ऊपर अत्याचार भी कर रहा है और यदि किसी ने इसके खिलाफ आवाज उठाई तो जेल में बंद करवा देने की धमकी भी देता है वीडियो में आप देख सकते हैं कि दबंग बाबू प्रधान जो कि सफेद गमछा डाले हुए हैं और ग्रामीण की गर्दन को दबा कर अपने साथियों के साथ उनको झंझोर रहा है प्रधान का भाई मेहंदी भी लोगों को मारता पीटता रहता है ऐसा पहली बार नहीं कई बार हो चुका है ये इसलिए दिखाया जरहा है कि कितना दबंग है मझगई थाने में 26 / 10 / 2024 को मुकदमा भी दर्ज हुवा है मारने वाले वीडियो का गुलरा टांडा गांव में इसी तरह से अभी दो-तीन दिन पहले सरकारी आवास योजना की आवाज उठाने वाले एक पत्रकार को भी उसी के घर में उसको घेर लिया गया था जिसके कारण पत्रकार अपनी जान बचाकर भागने पर मजबूर हुआ । पत्रकार असगर अली ने बाबू प्रधान के खिलाफ पलिया क्षेत्राअधिकारी महोदय को शिकायत पत्र भी दिया जिस पर अभी दबंग बाबू प्रधान के खिलाफ किसी तरह की कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हुई है । जहां उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी सभी अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए बार-बार बोल रहे हैं किंतु दूसरी तरफ ऐसे दबंग बाबू प्रधान गूलरा टांडा के ऊपर कब पुलिस द्वारा कानूनी कार्रवाई होग

जनपद में धान खरीद कार्य का डीएम मोनिका रानी ने किया शुभारम्भ

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 अन्तर्गत मूल्य समर्थन योजना के तहत 01 नवम्बर 2024 से प्रारम्भ होने वाली धान खरीद का जिलाधिकारी मोनिका रानी ने शुभारम्भ किया। डीएम ने अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव के साथ कृषि उत्पादन मण्डी समिति परिसर सलारपुर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना के उपरान्त फीता काटकर क्रय एजेन्सी खाद्य एवं रसद विभाग के धान क्रय केन्द्र का उदघाटन किया। धान क्रय केन्द्र पर ग्राम जोहरा, नसरापुर, पकड़ीकला व कमोलिया के मौजूद कृषक हेमन्त वर्मा, ध्रुव नारायण सिंह, राम दयाल शुक्ला व कुंवर बहादुर पांडे को अपर जिलाधिकारी ने पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसी भी केन्द्र पर किसानों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। शासन की मंशानुरूप किसानों को सभी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायें। आवश्यकतानुसार क्रय केन्द्रों पर संसाधनों की बढ़ोत्तरी भी की जाय ताकि किसानों की उपज को आसानी के साथ खरीदा जा सके। डीएम ने क्रय केन्द्र के प्रभारी विपणन निरीक्षक देवेन द्विवेदी व किसानों से धान की क्वालिटी के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए उपज की तौल करायी तथा किसानों से अपील की है कि अपनी उपज धान को सूखा कर क्रय केन्द्र पर लाये तथा बिक्री हेतु शासन द्वारा निर्धारित पोर्टल एफसीएस डाट यूपी डाट जीओवी डाट इन पर अपना पंजीकरण अवश्य करा लें ताकि तहसीलों द्वारा समय से सत्यापन की कार्यवाही की जा सके। इस अवसर पर जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी रूपेश सिंह, सचिव मण्डी समिति बहराइच धनन्जय सिंह सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

संस्कार उजाला
डॉ0सै0 अब्दुल खबीर

बहराइच। जनपद में अपनी लेखनी के बल पर प्रसिद्ध वरिष्ठ पत्रकारों को श्री सनातन धाम मंदिर हठीले आश्रम के प्रागंण में मंदिर के पीठाधीश्वर स्वामी विष्णु देवाचार्य जी महाराज , शासकीय अधिवक्ता भारत सरकार संजीव श्रीवास्तव एडवोकेट, सेवानिवृत प्रधानाचार्य डॉ.राधे श्याम श्रीवास्तव एडवोकेट, वरिष्ठ समाजसेवी अनुज श्रीवास्तव द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें वरिष्ठ पत्रकार व पी पी सी के जिलाध्यक्ष अब्दुल शाहिद, रूल ऑफ लॉ सोसाइटी के उपाध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार डॉ.पंकज श्रीवास्तव एडवोकेट, समाजसेवी व वरिष्ठ पत्रकार डॉ.अखिलेश श्रीवास्तव एडवोकेट, समाजसेवी व वरिष्ठ पत्रकार विवेक सक्सेना को अंगवस्त्र गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया।

डीएम तथा एस पी ने समाधान दिवस पर सुनी जनता की फरियाद

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

जिलाधिकारी बांदा नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में तहसील अतर्रा में सोमवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनशिकायतों को प्राथमिकता पर लेते हुए उनका निस्तारण गुणवतायुक्त एवं समयबद्धता के साथ किया जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील अतर्रा में कुल 57 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। उन्होंने मौके पर जन शिकायतों का निस्तारण करते हुए प्रकरणों को सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को इस निर्देश के साथ दिये गये कि सम्बन्धित आवेदन पत्रों को गम्भीरता से लेते हुए समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारण कराया जाए। समाधान दिवस में राजस्व 26 ,पुलिस 14 , विकास 04. समाज कल्याण01 व अन्य विभागों से संबंधित 12 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने एक फरियादी द्वारा उसके मकान पर लोंगो के द्वारा कब्जा किये जाने की शिकायत पर लेखपाल को मौके पर जाकर जाँच करने एवं पैमाइश कराये जाने के निर्देश दिये। एक फरियादी द्वारा आपसी पैसे के लेनदेन की शिकायत पर का क्षेत्राधिकारी भदोसा को कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस में एक फरियादी द्वारा आवास दिए जाने तथा ज्योति गुप्ता द्वारा आपसी लड़ाई झगड़ा की शिकायत तथा रीना द्वारा ससुराल पक्ष से संबंधित शिकायत संबंधित प्रार्थना पत्र दिए जिस पर पुलिस अधिकारियों को करवाई किये जाने के निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील अतर्रा में पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने पुलिस विभाग से सम्बन्धित समस्याओं को सुनते हुए उनके त्वरित निराकरण गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश सम्बन्धित पुलिस अधिकारियों को दिये। मुख्य विकास अधिकारी वेद प्रकाश मौर्य, जिला विकास अधिकारी, सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी अतर्रा राघवेन्द्र सिंह, क्षेत्राधिकारी पुलिस तहसीलदार अतर्रा सहित सम्बन्धित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गढ़मुक्तेश्वर और धौलाना तीनों तहसीलों में जिलाधिकारी महोदया श्रीमती प्रेरणा शर्मा के नेतृत्व में तहसील दिवस सम्पन्न

जनपद की तीनो तहसीलो में प्राप्त हुई 48 शिकायतें, 05 का मौके पर कराया गया निस्तारण

संस्कार उजाला
जिला प्रभारी अमित शर्मा

हापुड़। हापुड़ जनपद की तीनों तहसीलों हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर और धौलाना में प्रत्येक माह के पहले और तीसरे शनिवार को होने वाले तहसील दिवस जिलाधिकारी महोदया श्रीमती प्रेरणा शर्मा के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। हापुड़ तहसील में जिलाधिकारी महोदया श्रीमती प्रेरणा शर्मा की अध्यक्षता में तहसील दिवस संपन्न हुआ। इस दौरान तहसील दिवस में कुल 18 शिकायतें प्राप्त हुई और 03 का मौके पर निस्तारण हुआ। जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निदेर्शानुसार एवं मंशानुरूप तहसील दिवस में प्राप्त शिकायत का समाधान पूर्ण गुणवत्ता से किया जाना चाहिए एवं सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी को मिलना चाहिए। जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में भूमि से संबंधित शिकायतों को लेकर उप जिलाधिकारी हापुड़ को टीम गठित कर मौके पर जांच कराकर समस्या का निस्तारण करने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि पर कब्जे को लेकर जो भी शिकायतें प्राप्त हो रही है उसमें संबंधित लेखपाल एवं तहसीलदार स्वयं मौके पर जाकर समस्या की जांच करें। तहसील दिवस में समय से उपस्थित न होने वाले अधिकारियों पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई। इस मौके पर उप जिलाधिकारी हापुड़, तहसीलदार हापुड़ तथा पुलिस क्षेत्राधिकार व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसके साथ ही गढ़ तहसील में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील दिवस सम्पन्न हुआ जिसमें 15 शिकायतें प्राप्त हुई। वहीं धौलाना तहसील में सम्पन्न हुए तहसील दिवस में 15 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 2 का निस्तारण किया गया।

लखनऊ में 'आप' का सदस्यता अभियान शुरू

6 महीने में 50 लाख सदस्य बनाने का दावा; संजय सिंह बोले- यूपी पुलिस बेलगाम, CM कर रहे संरक्षण

लखनऊ। में आम आदमी पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू हो गया है। यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इसकी शुरूआत की है। इस दौरान संजय सिंह ने कहा कि अगले 6 महीने में उत्तर प्रदेश के सभी जिले में जाएंगे। हर घर से लोगों को जोड़कर 50 लाख से अधिक सदस्य बनाएंगे। सदस्यता की प्रक्रिया बिल्कुल निशुल्क है। सोशल मीडिया से लेकर व्हाट्सएप से भी पार्टी से सदस्य बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा पार्टी की तरफ से दो बड़े कार्यक्रम जिले में किए जाएंगे। पहले पार्टी के द्वारा 100 पंचायतों में कार्यकर्ता बनाया जाएगा। महीने में दूसरे शनिवार को पार्टी जनता के मुद्दे को लेकर सड़क पर उतरेगी। आखिरी रविवार को जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। भाजपा सिर्फ झूठ का

कारोबार कर रही है। पुलिस पूरी तरह से क्रूर और तानाशाह हो चुकी है। लखनऊ में मोहित पांडे की हत्या हो या अमन गौतम की मौत। रायबरेली में फौजी के साथ जिस तरीके से पुलिस वालों ने बर्बरता की है। ये सरकार की विफलता है। क्योंकि, योगी सरकार में पुलिस पूरी तरह से निरंकुश हो चुकी है। हर जिले में नियुक्त होंगे पदाधिकारी, गांव में बनेगी कमेटी संजय सिंह ने कहा कि हर जिले में 10 पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। ये गांवों में कमेटी बनाएंगे। ये कमेटी हर महीने आंदोलन करेगी। 9 नवम्बर को सरकार द्वारा 27 हजार स्कूलों को बंद करने के फैसले के खिलाफ भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। संजय सिंह ने राज्य की कानून व्यवस्था और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की पुलिस बेलगाम हो चुकी है। मुख्यमंत्री कार्रवाई करने के बजाय पुलिस को संरक्षण दे रहे हैं। संविधान और आरक्षण को खतरे में बताते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। संजय सिंह ने भाजपा को देश विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा की मान्यता खत्म होनी चाहिए। 100 वर्षों में आरएसएस ने एक भी दलित, पिछड़ा या आदिवासी को अपना प्रमुख नहीं बनाया है। संजय सिंह ने प्रदेश के युवाओं, किसानों और गरीब वर्ग से भाजपा के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। संजय सिंह ने उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को समर्थन देने की भी घोषणा की है। साथ ही चुनाव में भाजपा के खिलाफ एकजुट होने की लोगों से अपील की है।

यूपी की पुलिस हुई बेलगाम, सीएम कर रहे संरक्षण

संजय सिंह ने राज्य की कानून व्यवस्था और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की पुलिस बेलगाम हो चुकी है। मुख्यमंत्री कार्रवाई करने के बजाय पुलिस को संरक्षण दे रहे हैं। संविधान और आरक्षण को खतरे में बताते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। संजय सिंह ने भाजपा को देश विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा की मान्यता खत्म होनी चाहिए। 100 वर्षों में आरएसएस ने एक भी दलित, पिछड़ा या आदिवासी को अपना प्रमुख नहीं बनाया है। संजय सिंह ने प्रदेश के युवाओं, किसानों और गरीब वर्ग से भाजपा के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया।

क्षेत्रीय पहलवानों को प्रदर्शन का मौका देता है कुश्ती का आयोजन: ज्ञानप्रकाश शुक्ला

गोवर्धन मेला पर बनकटा बाजार में हुआ कुश्ती का आयोजन

संवाददाता

फाजिलनगर। फाजिलनगर विकास खण्ड के बनकटा बाजार में गोवर्धन मेला पूजा के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय मेले के दूसरे दिन विराट कुश्ती का आयोजन किया गया ।जिसमें विभिन्न प्रांतों से आए पहलवानों ने अपने कुश्ती कला का प्रदर्शन कर लोगों को रोमांचित कर दिया। कुश्ती का शुभारंभ अपर सत्र न्यायाधीश बाराबंकी ज्ञानप्रकाश शुक्ल और संयुक्त निदेशक अभियोजन लखनऊ हरिप्रकाश शुक्ल ने संयुक्त रूप से पहलवानों से हाथ मिलाकर कराया। अपर न्यायाधीश ने कहा कि कुश्ती के आयोजन से क्षेत्रीय पहलवानों को अपनी कला के प्रदर्शन का मौका मिलता है। जिससे वह अपनी पहचान प्रदेश और राष्ट्रीय सत्र तक अपनी पहचान बना सके। सोमवार को हुए कुश्ती में जावेद गनी ने उत्तराखंड के अजगर को, गोविन्द चौधरी चौराचौरी ने बृजेश आजमगढ़ को, आकाश आजमगढ़ ने सिद्धार्थ को, विकास यादव ने ब्रजेश को आसमान दिखाया। कुश्ती प्रतियोगिता के निर्णायक अजय पहलवान रहे। अन्त में सभी पहलवानों को पुरस्कार दिया गया। इस दौरान आयोजक आमोद पाण्डेय, अभिषेक सोनी, अभिषेक जायसवाल, बबलू मद्धेशिया, नितेश वर्मा, ग्राम प्रधान मैनेजर गुप्ता, श्रवण मद्धेशिया, विजेन्द्र यादव, आदि मौजूद रहे

श्रीलंका बुद्ध बिहार। कठिन चीवरदान 13 को

संवाददाता

कुशीनगर। श्रीलंका बुद्ध बिहार के धम्म हाल में 13 नवम्बर दिन बुधवार को कठिन चीवरदान का कार्यक्रम आयोजित है ।उक्त जानकारी श्रीलंका बुद्ध बिहार के प्रमुख भन्ते डा0 नन्द रतन महाथेरो ने देते हुए बताया कि प्रातः 5.30 बजे चीवर दान यात्रा श्रीलंका बुद्ध बिहार से महा परिनिर्वाण मन्दिर तक, अल्पाहार 7 बजे, भिक्षु संघ द्वारा सूत्र पाठ 8 से 9 बजे, भिक्षुओं द्वारा धम्म देशना 9 से 10 बजे, कठिन चीवर दान एवं संघ दान 10.30 से दोपहर 12 बजे तक, अतिथियों का स्वागत एवं उदबोधन 12 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक, सुबह से शाम तक भोजपुरी कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित है। बताया कि इस अवसर पर दीप प्रज्वलन, त्रिशरण पंचशील और भन्ते गण द्वारा परित्रायण पाठ आयोजित होगा। बुद्ध धर्म की परंपरा के अनुसार सूत कातना, वस्त्र बनाना और वर्षावास की समाप्ति के बाद उपासकों द्वारा भिक्षुओं को कठिन चीवरदान किया जाता है।

बुद्धा घाट पर में शामिल श्रद्धालुओं ने की गंगा आरती, जले दीप

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हिरण्यवती नदी के बुद्धा घाट पर गंगा आरती व दीप उत्सव मनाया गया। सोमवार की शाम को जिला गंगा सामिति/ सामाजिक वानिकी द्वारा स्वच्छता ही सेवा 20024 के तहत हिरण्यवती नदी का बुद्धा घाट पर पुजारी अमरनाथ पाण्डेय के वेद मंत्रोच्चार के बीच दीप जलाए गए और गंगा आरती की गयी। आरती शुरू होने के साथ ही घंटा घड़ियाल, शंखनाद से पूरा घाट गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। सभी को जिला सामिति द्वारा शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि सभासद प्रभुनाथ सिंह ने कहा कि मां गंगा जीवन दायनी हैं। यह हमारी आस्था व श्रद्धा हैं। नदियों, जलाशयों के उद्धार और संरक्षण के लिए आगे आना होगा। नदियों को जोड़ने व पुनर्जीवन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नमामि गंगे योजना शुरू की है। आरती में वन दरोगा जलालुद्दीन, वन दरोगा राम आधार प्रसाद, वन रक्षक राजेश चौधरी, वन रक्षक मुकेश यादव, वन रक्षक संतोष यादव, टिंकू यादव, जेआरएफ शुभम कुमार, आशु कुशवाहा, प्रिया कुशवाहा, एनवाईके से पारितोष दुबे मौजूद रहे।

भगवान की कृपा से असंभव भी संभव हो जाता है:डा.इंद्रजीत पांडेय

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर विकास खण्ड तमकुही के अमरवा खुर्द में आयोजित नौ दिवसीय संगीतमयी भागवत कथा के पहले दिन राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त कथा वाचक डा.इंद्रजीत पाण्डेय ने राजा परीक्षित के जन्म का कथा सुनाते हुए कहा कि परीक्षित का जन्म एक चमत्कारिक घटना से जुड़ा है ।जो भगवान श्रीकृष्ण की करुणा और दिव्यता को दर्शाता है। कथा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि जब महाभारत के युद्ध में कौरवों और पांडवों के बीच भीषण संघर्ष हुआ, तब अभिमन्यु वीरगति को प्राप्त हुए। युद्ध के बाद पांडवों का वंश समाप्ति की कगार पर आ गया था, लेकिन अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा उस समय गर्भवती थीं। युद्ध के अंत में, अश्वत्थामा ने ब्रह्मास्त्र चलाकर उत्तरा के गर्भ में पल रहे शिशु को मारने का प्रयास किया। इस कठिन समय में भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कृपा का प्रदर्शन करते हुए उत्तरा के गर्भ में प्रवेश कर शिशु की रक्षा की और ब्रह्मास्त्र के प्रभाव को निष्क्रिय कर दिया।भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से उत्तरा ने एक स्वस्थ और तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसे परीक्षित नाम दिया गया। राजा परीक्षित के जन्म की यह कथा हमें बताती है कि ईश्वर की कृपा से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। उनका जीवन भागवत कथा में सत्य, धर्म, और ईश्वर पर अटूट विश्वास की शिक्षा देता है, जो आज भी श्रद्धालुओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। कथा के पूर्व मुख्य यजमान प्रभुनाथ सिंह ने सपत्नीक विधि विधान से व्यास गद्दी का पूजन किया। इस दौरान संदीप सिंह, राजकुमार पाण्डेय, अजीत सिंह, राजनेत पाण्डेय, पूर्व प्रधान संजय राय, रामनरेश पांडेय, शाश्वत पाण्डेय, पंकज सिंह, अनुराग राव, राघवेन्द्र राव, सत्यप्रकाश राय आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जिलधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतों को एक हफ्ते में निपटाने के दिये निर्देश

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सदर तहसील में संपन्न हुआ। इस मौके पर आई शिकायतों के जल्द व निस्तारण के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया । सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी ने जन समस्याओं को सुनने के बाद उनके निस्तारण के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया, साथ ही कहा कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में मौके पर जाकर पक्ष विपक्ष से मिलकर दोनों की बातों को ठीक से सुना जाय। अधिकारियों से शिकायत के निस्तारण के दौरान मौके पर निरीक्षण के दौरान लोकेशन सहित फोटोग्राफ भी लिए जाएं। जिलाधिकारी ने रबी फसल की बुवाई के मद्देनजर जनपद की सभी नहरो को पूरी क्षमता के साथ चालू करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी नहरों की टेल तक पानी पहुंचाया जाए। नलकूप विभाग ,विद्युत विभाग, सिंचाई विभाग सहित लघु डाल आपस में मिलकर काम को किया जाए ताकि किसानों को फायदा मिल सके साथ ही उन्हें बुवाई में किसी भी तरह की परेशानी ना हो। जनपद के सभी नलकूपो को चालू रक्खा जाएं ,इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायगी। जनपद में खाद वितरण के काम को ठीक तरह से संपादित किया जाए ।\ किसानों को खतौनी देखकर खाद दी जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस ,आईजीआरएस पोर्टल, मुख्यमंत्री संदर्भ ,1076 के संदर्भ, शिकायतों का निष्पक्षता पूर्वक और वख्त से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का निपटारा एक हफ्ते में जरुर कर दिया जाए । शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का खास ख्याल रक्खा जाए, ताकि शिकायतकर्ता को बार-बार परेशान ना होना पड़े । जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का ग्राउंड लेवल पर निस्तारण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि जिस लेबल की शिकायत है उसका उसी लेबल प निस्तारण जरुर तय किया जाए। किसी भी हालत में वही शिकायत अगले समाधान दिवस में नहीं आना चाहिये।

इस दौरान सीडीओ चंद्र शेखर शुक्ला, डीएफओ, एसडीएम, सीओ सदर सहित जनपद लेबल के अधिकारी मौजूद रहे ।

संक्षिप्त डायरी

पति ही चलाते थे घर का खर्च...अब मैं क्या करूं

बस्ती। के नगर थाना क्षेत्र स्थित बारीजोत गांव में रवि प्रकाश बारी की हत्या के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। रवि की पत्नी माया देवी की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पति के अचानक निधन के बाद वह बार-बार बेहोश हो जा रही हैं, और अपनी छह साल की बेटी के भविष्य को लेकर चिंता में डूबी हैं। माया कहती हैं, ह्लअब मेरा और मेरी बेटी का क्या होगा? मेरे ससुर बीमार हैं, उन्हें आंखों से दिखाई नहीं देता, और सास भी बुढ़ापे की ओर हैं। माया देवी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है कि उनके पति ही घर का खर्च चलाते थे। अब मैं किसके आगे हाथ फैलाऊंगी? माया ने आर्थिक सहायता के साथ-साथ रोजगार की मांग की है ताकि वह अपने परिवार का भरण-पोषण कर सके। रवि की पत्नी ने बताया, मुझे नहीं पता था कि एक झटके में मेरा सुहाग उजड़ जाएगा। पूरे परिवार की जिम्मेदारी अकेले रवि के कंधों पर थी। वह बताती हैं कि रवि बिहार में प्राइवेट नौकरी करते थे, लेकिन शुक्रवार को पड़ोसी गांव के युवक सचिन ने बिना किसी बात के उनके पति की चाकू से हत्या कर दी। ग्रामीणों के अनुसार, रवि एक मिलनसार इंसान था और उसकी कभी किसी से लड़ाई नहीं हुई।बहन के हाथ पीले करने की तैयारी में था रवि मृतक की पत्नी ने यह भी बताया कि रवि अपनी बहन रिंकी के हाथ पीले करने की तैयारी कर रहा था, और उनका विवाह भी तय हो चुका था। अब बहन के विवाह को लेकर भी चिंता माया को सता रही है कि अब वह कैसे अपनी बहन की शादी करेगी। रवि की हत्या ने न केवल उसके परिवार को संकट में डाला है, बल्कि पूरे गांव को शोक में डुबो दिया है।

रूधौली में मूर्ति विसर्जन के बाद हुई मारपीट

बस्ती। के रूधौली थाना क्षेत्र के बढ़नी और सिसवारी खुर्द में मां लक्ष्मी की मूर्ति विसर्जन के बाद हुए विवाद में कुल दस लोग घायल हो गए हैं। घायलों का उपचार स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर किया गया है। वहीं, पुलिस को इस मामले में तहरीर दी गई है। बढ़नी गांव में दीपावली के अवसर पर मां लक्ष्मी की प्रतिमा को सिरसिया घाट पर विसर्जन के लिए ले जाते समय डीजे पर भक्ति गीतों पर महिलाएं और युवक नाच रहे थे। कुछ दूरी पर पहुंचने पर कमेटी के सदस्यों ने महिलाओं को घर भेज दिया। इसी दौरान डांस करते वक्त हुई धक्का-मुक्की ने विवाद का रूप ले लिया, जो अंततः मारपीट में बदल गया। इस झगड़े में अशोक कुमार की पुत्री शीतल बेहोश हो गईं और उनकी पत्नी भी घायल हो गईं। परिवार के सदस्यों ने शीतल को बेहोशी की हालत में देखकर तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उनका उपचार किया। अशोक कुमार ने इस घटना की तहरीर रूधौली पुलिस को दी है ।सिसवारी खुर्द में मां लक्ष्मी जी की मूर्ति विसर्जन के बाद अदालत और अमरचंद के बीच पुरानी रंजिश के कारण जमकर मारपीट हुई। इस झगड़े में ईंट-पत्थर और लाठियों का इस्तेमाल किया गया। इस घटना में अदालत पक्ष की बबिता, रेखा, खुशबू, जानकी और कृष्ण घायल हो गए, जबकि अमरचंद, संध्या और अर्जुन भी इस मारपीट में घायल हुए। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुधौली में भर्ती कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पक्षों की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है, और आगे की कार्रवाई जारी है।

एडीजी ने की अधिकारियों के साथ की बैठक

बस्ती। रविवार को गोरखपुर जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) डॉ. केएस प्रताप ने लक्ष्मी-गणेश प्रतिमा विसर्जन, छठ पूजा, और आगामी 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव की तैयारियों को लेकर बस्ती जिले में अधिकारियों की बैठक की। सर्किट हाउस में हुई इस बैठक में आईजी आरके भारद्वाज, एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी, एएसपी ओपी सिंह सहित सभी क्षेत्रीय अधिकारियों ने भाग लिया। एडीजी ने अमहट स्थित विसर्जन घाट और छठ पूजा स्थल का निरीक्षण भी किया, और राज्य आपदा मोचन दल (एसडीआरएफ) से तैयारी के बारे में चर्चा की।एडीजी ने प्रेसवार्ता में कहा कि अधिकतर लक्ष्मी-गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन रविवार रात से सोमवार तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने विसर्जन के दौरान बैरिकेडिंग और क्रेन की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। छठ पूजा को शांतिपूर्वक संपन्न कराना सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है, जिसके लिए तालाब और नदी किनारे सुरक्षा को और सख्त किया गया है। एसडीआरएफ की टीम पहले ही घाट पर पहुंच चुकी है, और पुलिस सीमा पर सतर्कता बरत रही है, विशेषकर आंबेडकरनगर में होने वाले उपचुनाव को लेकर। त्योहारों के बाद, एडीजी ने सभी जिलों में टॉप टेन अपराधियों की सूची की समीक्षा और माफियाओं पर कार्रवाई तेज करने का निर्देश भी दिया। आईजी आरके भारद्वाज ने बताया कि वर्तमान में परिक्षेत्र में कोई भी माफिया चिन्हित नहीं है।

सात नवम्बर को होगा रोजगार मेले का आयोजन

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर सहायक जिला रोजगार सहायता अधिकारी अवनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि निदेशालय प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उ०प्र०, लखनऊ के निदेर्शानुसार कार्यालय 7 नवम्बर 2024 को सुबह दस बजे से जिला सेवायोजन हमीरपुर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जॉब फेयर में कई प्रतिष्ठित कम्पनियों, नियोजकों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपना rojgaarsagam.up.gov.in ऑनलाइन आवेदन करते हुये अपने सभी शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्रों व फोटो सहित तिथि और समय पर मेले में प्रतिभाग करते हुये इस अवसर का लाभ उठा सकते है, किसी कारणवश ऑनलाइन न कर पाने की हालत में सीधे भी प्रतिभाग कर सकते है।

अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में सोनभद्र की कचहरी में ठप रहा पुरा काम.

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल। सोनभद्र । गाजियाबाद की कचहरी में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज के विरोध में सोमवार को सोनभद्र के अधिवक्ता हड़ताल पर रहे। संयुक्त अधिवक्ता मोर्चा के बैनर तले अधिवक्ताओं ने कामकाज ठप रखा। कचहरी परिसर में जुलूस निकाल प्रदर्शन किया। गाजियाबाद पुलिस हाय-हाय के नारे लगाए। अधिवक्ताओं ने घटना की न्यायिक जांच कराते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। सोनभद्र बार एसोसिएशन की अध्यक्ष पूनम सिंह और डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव के

संयुक्त नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं ने गाजियाबाद में हुई घटना की निंदा की। कहा कि अपने अधिकारों के रक्षा की आवाज उठा रहे अधिवक्ताओं पर बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज ने अंग्रेजी हुकूमत की याद दिला दी है। इसे किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। लाठीचार्ज में शामिल रहे पुलिसकर्मियों व न्यायिक अधिकारियों के भूमिका की उच्चस्तरीय जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए। ऐसा न होने पर पूरे प्रदेश के अधिवक्ता उग्र आंदोलन को विवश होंगे। प्रदर्शन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष लालता प्रसाद पांडेय, डॉ. अतुल प्रताप सिंह, गंगेश्वर प्रसाद सिंह, संजय गोयल, आशुतोष दुबे, अनुज अवस्थी, महामंत्री राजीव सिंह गौतम, मो. सलीम कुरैशी व अन्य शामिल रहे। दुद्धी और ओबरा में भी अधिवक्ताओं ने हड़ताल कर कामकाज ठप रखा।

न्याय के गुहार लिए भटक रही बहनें, बयान दर्ज कराने के लिए तहसील पहुंमे ग्रामीण।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज तहसील क्षेत्र के परही गांव में दो लोगों द्वारा एक मृतक व्यक्ति का वारिस बनकर दर्जनों बीघा जमीन अपने नाम कराने के आरोप की जांच एसडीएम ने तेज कर दी है। एसडीएम ने नोटिस जारी कर पीड़ित पक्ष को अपने समर्थन में सबूत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उक्त के क्रम में पीड़ित सगी दो बहनें और काफी संख्या में ग्रामीण सोमवार को बयान दर्ज

कराने के लिए तहसील पहुंचे थे। पीड़िता के अधिवक्ता शशांक शेखर कात्यान ने बताया कि परही निवासी बंशी यादव को सिर्फ गांगी और रामपति लड़की है। लेकिन बंशी की मौत के बाद उनके भाई के लड़कों ने वारिश बनकर फर्जी ठंग से जमीन का वरासत करा लिया है, इतना ही नहीं कुटुम्ब रजिस्टर में भी नाम करा लिया है। इसकी जानकारी जब मृतक की बेटियों को हुई तो उन्होंने डीएम को शिकायती पत्र देकर मदद की गुहार लगाई। डीएम के निर्देश पर सदर एसडीम ने पीड़िता को नोटिस जारी कर सबूत उपलब्ध कराने को कहा है। उक्त आदेश के क्रम में पीड़ित दोनों बहने समेत काफी संख्या में ग्रामीण उनके समर्थन में एसडीएम दफ्तर बयान दर्ज

संक्षिप्त डायरी

थाना मंडी पुलिस ने फर्जी दरोगा किया गिरफ्तार लोगों को डरा धमका कर वसूलता था पैसे

संस्कार उजाला

सहारनपुर । थाना कोतवाली मंडी पुलिस ने किया गिरफ्तार । प्रभारी निरीक्षक नेमचन्द सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर थाना मण्डी पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान 01 फर्जी दरोगा/अभियुक्त मौ० शादाब उर्फ अमन पुत्र शौकत अली निवासी राजन लाईट मो० ढोलीखाल थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर को मण्डी समिति रोड थाना मण्डी से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से दरोगा की वर्दी, पुलिस मोनोग्राम, शोल्डर बैज, स्टार व पी-कैप का ताज आदि सामान बरामद हुए है। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरूद्ध थाना मण्डी पर मु0अ0सं0 431/2024 धारा 205 बीएनएस के पंजीकृत किया गया। अभियुक्त के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त मौ० शादाब उर्फ अमन उपरोक्त ने पूछताछ पर बताया कि मैं वर्दी पहनकर अवैध तरीके से पैसे लोगो को डरा धमकाकर पैसे ले लेता हूं

छठ पूजा की तैयारियों को लेकर नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने घाटों का किया निरीक्षण

संस्कार उजाला

मीरजापुर। नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने आगामी छठ पूजा एवं जेठवन एकादशी को देखते हुए सभासद,ईओ जी लाल एवं अन्य अधिकारियो के साथ नगर के नारघाट से निरीक्षण किया।आगामी त्यौहारों के मद्देनजर नगर के नारघाट,गऊ घाट,संकटाघाट,पक्के घाट,सुंदरघाट,बाबा घाट,बरियाघाट सहित नगर के कई घाटो पर नपाध्यक्ष के निर्देश पर शिल्ट हटाने का कार्य किया जा रहा है।इन सभी घाटो पर निर्माण विभाग द्वारा बेरिकेडिंग भी किए जाने का निर्देश दिया गया है।छठ पूजा पर महिलाओं की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम एवं घाटो पर सफाई व्यवस्था को चाक चौबंद रखने के निर्देश दिये है।प्रकाश विभाग को घाटो पर लाइट दुरुस्त रखने

एवं घाट जाने वाले मार्गो पर चुने एवं एन्टी लार्वा का छिड़काव करने का निर्देश भी दिया गया।इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा की छठ पूजा एवं जेठवन एकादशी को देखते हुए घाटो पर शिल्ट हटवाने का कार्य अंतिम चरण में है।घाटो पर बेरिकेटिंग कर प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है।छठ पर्व से पहले घाटो की सफाई कर तैयारियों को दुरुस्त किया जा रहा है।घाटों पर महिलाओ के चेंजिंग रूम भी बनाने के निर्देश दिए गए है।ईओ एवं विभागाध्यक्षों को सभी व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दे दिया गया है।घाटों पर इस बार अर्पण कलश भी रखा जाएगा,जिसमें लोग माला फूल और पूजा से संबंधित समानों को उसमें डाल सकेंगे।गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए माला फूल नदी में न प्रवाहित करने का अपील भी की जा रही है।इस मौके पर सभासद दुर्गा प्रसाद यादव,रूपेश यादव,नगर अभियंत विपिन मिश्रा,जलकल अभियंता ओमप्रकाश गौतम,सीएसआई मनोज सेठ,जेई जटाशंकर पटेल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि पहुंचे सांसद को बधाई देने, चचाओं का बाजार गर्म !

भाजपा सरसावा नगर पालिका अध्यक्ष के इमरान मसूद को बधाई देने के निकले जा रहे सियासी मायने !

संस्कार उजाला संवाददाता

सहारनपुर सरसावा की राजनीति में इन दिनों एक तस्वीर की खूब चर्चा हो रही है। तस्वीर है नगर के मौजूदा नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि की...सरसावा नगर पालिका के अध्यक्ष दीपावली की शुभकामनाएं देने के लिए जब सहारनपुर सांसद इमरान मसूद के गले लगते हैं तो बस यही से सियासत के कई गुल खिलते हुए नजर आते हैं.....वैसे तो त्यौहार में कोई भी किसी को शुभकामनाएं दे सकता है लेकिन राजनीति में संदेश और संकेत इसके काफी मायने होते हैं...सरसावा के

मौजूदा भाजपा के नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि का इमरान मसूद के गले लगना चचाओं का विषय बना हुआ है... दीपावली की शुभकामनाएं देने के लिए खुद भाजपा के अध्यक्ष इमरान मसूद के आवास पर पहुंचे और बाकायदा गले लगा कर उन्हें शुभकामनाएं दी.... अब उनकी यह तस्वीर जमकर वायरल भी हो रही है...भाजपा में रहकर विपक्ष के सांसद के साथ गले लगना लोगों के बीच में चर्चा का विषय बना हुआ है...वैसे तो राजनीति अनिश्चिताओं का खेल है। खद्दरधारी कब किस पाले में चले जाएं कुछ नहीं कहा जा सकता.. मौजूदा चेयरमैन प्रतिनिधि हाल ही में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे.. कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के साथ उनकी फोटो जमकर वायरल हो रही है। जिस पर लोग तरह तरह के कयास भी लगा रहे हैं।

महाकुम्भ प्रयागराज-2025 का अधिकारिक लोगो जारी

सरकारी कार्यक्रमों एवं दस्तावेजों सहित अन्य गतिविधियों में किया जाए लोगो का अधिक से अधिक प्रयोग - जिलाधिकारी

संस्कार उजाला नेहा शर्मा

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाले महाकुम्भ प्रयागराज-2025 का अधिकारिक लोगो जारी कर दिया गया है। मनीष बंसल ने जनपद के संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगो का प्रयोग समस्त सरकारी वेबसाइट, सोशल मीडिया प्लेटफार्म, सरकारी कार्यक्रमों, व्यावसायिक एवं सरकारी विज्ञापनों, प्रदेश सरकार की विकास एवं अन्य योजनाओं तथा सरकारी पत्राचार एवं स्टेशनरी आदि में अनिवार्य रूप से कराना सुनिश्चित करें।

बैंक शाखा प्रबंधक पेंशनरों का जीवित प्रमाण पत्र सत्यापित कर कोषागार को करें अग्रसारित

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जनपद के समस्त बैंक शाखा प्रबंधक को निर्देशित किया है कि पेंशनरों द्वारा बैंकों में जीवित प्रमाण पत्र दिये जाने पर मना न किया जाए अपितु स्वीकार कर सत्यापित उपरांत कोषागार में अग्रसारित किया जाए। मनीष बंसल ने बताया कि पेंशनर का जिस बैंक में खाता है उस बैंक प्रबंधक को भी पेंशनर का जीवित प्रमाण पत्र लिये जाने हेतु प्राधिकृत किया गया है। उन्होने जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देश दिए कि आदेशों का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

संक्षिप्त डायरी

यमराज बनकर बेखौफ भूसे से भरी ट्रैक्टर-ट्रालीया, यमुना पुल से हरियाणा ले जाते है भुसा

संस्कार उजाला संवाददाता

सहारनपुर। गंगोह क्षेत्र मे सड़कों से निकल रहे भूसे से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रालियों ने इन दिनों दुर्घटना का खतरा बढ़ा दिया है। वैसे तो सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आए दिन सरकार व प्रशासन द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाता है। गंगोह क्षेत्र मे सड़क किनारे सावधानियों का बोर्ड भी लगाया जाता है। हादसे की कई वजह होती है, जिसमें से एक ओवर लोड वाहनों का परिचालन भी है। ओवरलोड वाहनों के परिचालन से दुर्घटनाएं भी होती है। ऐसे वाहनों का परिचालन न हो इस पर सख्ती के निर्देश हर अधिकारियों को प्राप्त है। लेकिन गंगोह क्षेत्र में इसका पालन नहीं हो रहा है। ऐसे में आए दिन हादसे हो रहे हैं और लोगों की मौत भी हो रही है। गंगोह मे इन दिनों भुसे से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रालिया जी का जंजाल बनी हुई है। ट्रैक्टर-ट्रालियो की साइज से दोगुना-चौड़ाई व ऊंचाई तक फैली ट्रॉली के कारण 30 फीट चौड़ी सड़कों पर भी अन्य वाहन चालकों को जगह नहीं मिल पाती। स्थिति यह हैं कि भूसे से भरी से ट्रॉलियां ही आधी से ज्यादा सड़कों को रोक लेती है। इस कारण आने व जाने वाले दोनों तरफ के वाहन चालकों को दिक्कतें झेलना पड़ती है। हालांकि दिन में तो इन ट्रालियों से वाहन चालक जैसे-तैसे बचकर निकल जाते है। लेकिन रात के समय इनसे हमेशा हादसे का खतरा बना रहता है। ट्रैक्टर की लाइट देख सामने वाले को पीछे की ट्रॉली के दूर तक फैली होने का अंदाजा नहीं लग पाता। इस कारण रात के समय हादसे का खतरा ज्यादा बना रहता है। गत दिनों इसी कारण आनाज मंडी के समीप ही हादसा हो चुका है। बावजूद इसके भूसे से भरी ओवर साइज ट्रैक्टर-ट्रालियों पर कार्रवाई नहीं की गयी। इस तरह निकल रहे ट्रैक्टर-ट्राली से सबसे ज्यादा रात के समय खतरा रहता है। हालांकि पुलिस ने कुछ दिनों पहले रेडियम लगाए थे। लेकिन असामाजिक तत्व इन रेडियम को ट्राली के पीछे से निकाल देते हैं। बताते चले की क्षेत्र से भूसा लेकर गंगोह से लखनौती होते हुए ये यमुना पुल होते हुए हरियाणा मे करनाल, पानीपत, जिंद आदि तक यह भूसा ले जाते है। इसलिए उन्हें लालच रहता है कि अधिक से अधिक भूसा भर कर वहां ले जाए। उनका यही लालच दुर्घटनाओं का कारण बनता है। इस प्रकार ऐसे भूसे से लदे वाहन आमजन के लिए परेशानी का सबब बने हुए है। क्षेत्र की आमजनता ने संबंधित विभाग के अधिकारीयों से मांग की है कि दुर्घटना से पूर्व ही अगर बैखौफ ट्रैक्टर-ट्राली एवं अन्य भूसे से ओवरलोड होकर दौड़ रहे वाहनों पर अंकुश लगाया जाए तो होने वाली अनहोनी टल सकती है।

भ्रष्ट छत्रपाल को वापस नौकरी पर रखने के लिए अधिकारियों के ऊपर कुछ लोग बना रहे नाजायज दबाव।

संस्कार उजाला

खुटार शाहजहांपुर खुटार रेंजर खुटार में छत्रपाल जालसाज किस्म का लकड़कट्टा है हौसला बुलंद छत्रपाल ने अपने सहयोगियो के साथ मिलकर एक षड़यंत्र के तहत विगत दिनो से लगातार रेंजर व वनकर्मियो को फंसाने के लिए छापाबोझी गांव से सटे जंगल में कई वर्ष पूर्व की कटे पेंड़ो की मुड्ढी छिलवाकर ताजा कर दी। जिससे की अवैध कटान की जानकारी मीडिया में फैले और रेंजर व वन कर्मियो पर कार्यवाही हो। छत्रपाल जंगल से सटे छापाबोझी गांव में रहता है। इस कारण रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मामले को अन्जाम दिया गया। छत्रपाल के षड़यत्र में फंसे स्थानीय वन कर्मियो की उच्चाधिकारियो ने क्लास लगा दी। लेकिन जब मामले में स्थानीय वन कर्मियो ने गंभीरता से जांच की और सुराग लगाया तो रविवार रात छत्रपाल के एक साथी को वन कर्मियो वन रक्षक संतोष गौड़, वाचर विकास, अधीर, संजीव ने नगर के मोहल्ला नौगवां कोट का रहने वाला रामनिवास को धर दबोचा। वन रेंज कार्यालय पर ले जाकर रामनिवास से जब पूछताछ की तो सारी सच्चाई सामने आयी। वन कर्मियो ने रामनिवास के खिलाफ वन अपराध की धाराओ में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया। वही वन रेंजर मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि कुछ जालसाज लकड़कट्टे है उनका मकसद अवैध तरीके से जंगल से लकड़ी काटना है परन्तु जब से मैंने रेंज का कार्यभार संभाला है तब से इनका यह धंधा बंद हो गया। कुछ लोग अधिकारियों पर दबाव बना रहे हैं की भ्रष्ट वाचर को वापस नौकरी पर बुलाओ हमारे द्वारा मना करने पर गलत खबरें प्रकाशित होती हैं ,

रेंजर मनोज कुमार श्रीवास्तव खुटार।

थाना देहात कोतवाली प्रभारी चन्द्रसेन सैनी के कुशल निर्देशन वाली पुलिस टीम को मिली जबरदस्त कामयाबी

लापता दो मासूम बच्चौ को सकुशल बरामद कर,किया परिजनों के हवाले,परिवार ने इंस्पेक्टर सहित उनकी पुरी पुलिस का,किया शुक्रिया अदा

☛पुलिस टीम ने काफी मशक्कत के बाद राईब-7 वर्ष एवम सुबान-5 वर्ष को मात्र 1 घंटे में खोज निकाला

संस्कार उजाला

सहारनपुर, कभी कभी पुलिस भी अपना वो वाला इंसानियत का फर्ज निभा जाती है,जिसकी शायद कोई कल्पना भी नहीं कर सकता।कल शाम लगभग 7,30 बजे दानिश कालोनी निवासी जावेद ने थाने में बैठे इंस्पेक्टर चन्द्रसेन सैनी को घबराते हुए सूचना दी,कि उसके दो बच्चै राईब-7 वर्ष एवम सुबान-5 वर्ष कहीं

गुम हो गए हैं,थाने में बैठे इंस्पेक्टर चन्द्रसेन सैनी ने जावेद को ढांढस बंधाते हुए कहा,कि घबराओ मत बच्चै मिल जाएंगे,पहले आप पानी पिएं।उसके बाद इंस्पेक्टर चन्द्रसेन सैनी ने बिना कुछ देरी किए तत्काल एक टीम का गठन कर बच्चौ की तलाश में लगा दी।लगभग एक घंटे बाद उनकी पुलिस टीम ने इंस्पेक्टर चन्द्रसेन सैनी को सूचना दी,कि सर बच्चे मिल गए।अपने दोनों बेटों को सकुशल देखकर जावेद व उसके परिजनों ने इंस्पेक्टर चन्द्रसेन सैनी सहित उनकी पुरी पुलिस टीम निरीक्षक मनोज कुमार,उपनिरीक्षक अजयपाल सिंह,हेड कांस्टेबल सनोवर,कांस्टेबल अरूण कुमार,राहुल कुमार, विष्णु,गौरव त्यागी एवम अनिरूद्ध का दिल से आभार जताते हुए कहा,कि आप सभी का बहुत बहुत शुक्रिया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 37 शिकायतों में से मौके पर 04 निस्तारित

शिकायतकर्ता को अनावश्यक पेरशान करने वालों पर होगी कार्यवाही

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर, सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील रामपुर मनिहारान में राजस्व विभाग की 24, पुलिस विभाग की 04, विद्युत विभाग की 03, नगर पंचायत की 02, समाज कल्याण विभाग की 01, जल निगम की 01, लोक निर्माण विभाग की 01 एवं शिक्षा विभाग की 01 कुल 37 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 04 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक

निस्तारण किया जाए। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी प्रतिदिन समय से अपने कार्यालय में उपस्थित होकर प्रात: 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जन शिकायतों को सुने और उनका गुणवत्तापरक निस्तारण करें। कार्यालयों में प्रतिदिन जनसुनवाई न करने वालों एवं शिकायतों का समय से गुणवत्तापरक निस्तारण न करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। शिकायतकर्ता को अनावश्यक परेशान करने वाले कर्मियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की आने वाली समस्याओं का संतुष्टि पूर्वक निस्तारण किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, डीएफओ शुभम सिंह, उप जिलाधिकारी रामपुर मनिहारान युवराज सिंह, तहसीलदार राधेश्याम शर्मा तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जाए: डीएम

संस्कार उजाला

शाहजहांपुर/सोमवार को जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में तहसील जलालाबाद में संपूर्ण समाधान तहसील दिवस संपन्न हुआ। तहसील दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को सुना। तहसील में जनपद स्तरीय अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने प्राप्त शिकायतों से संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर भी निस्तारण कराया। बीडीओ 03 पुलिस विभाग की 05 विद्युत 02 नगर पालिका 01, राजस्व विभाग की 13 शिकायतें तहसील दिवस में कुल 24 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 05 शिकायतों का जिलाधिकारी द्वारा मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। शेष शिकायते संबंधित अधिकारियों को प्रेषित करते हुए जिलाधिकारी ने उनका गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होने

आईजीआरएस की शिकायतों को भी गुणवत्तपूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने निदेश दिये कि मेढ़ तोड़ने, अवैध कब्जा करने सहित आदि शिकायतों पर टीम भेजकर मौके पर निस्तारण कराया जाए। साथ ही शिकायतकर्ता तथा निस्तारणकर्ता का फोटो भी लिया जाए।संपूर्ण समाधान दिवस में वीरपाल सिंह ने शिकायत की अमल बरामद तहसीलदार के यहां लंबित है जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसीलदार ने तत्काल एक घण्टे मे अमल बरामद कर खतौनी उपलब्ध करायी। जिलाधिकारी ने ग्राम खखूंड़ी में जनचौपाल का आयोजन कर विकास एवं निर्माण कार्य तथा शिकायतों को सुना जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ग्राम खखूंड़ी, वि0ख0 जलालाबाद में जनचौपाल का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने विकास एवं निर्माण कार्यो के संबध में ग्रामीणों से जानकारी ली तथा ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। जनचौपाल में जिलाधिकारी ने पंचायत सहायक सफाई कर्मचारी, आशा, एएनएम आदि के कार्यो के सम्बध में जानकारी ली। ग्रामीणों द्वारा शिकायत की गयी कि गांव में सफाई कार्मचारी नही आते है। जिलाधिकारी ने डीपीआरओ को निर्देश दिये कि संबधित सफाई कर्मचारी के विरूद्ध कार्यवाही कर अवगत कराए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने जन चौपाल में ग्रामीणों को 112, 181 एवं साईबर से बचने के संबध में जानकारी दी। उन्होने ग्रामीणों से कहा कि लड़ाई झगड़ा न करें शांति व कानून व्यवस्था बनाकर रखे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक राजेश एस, उप जिलाधिकारी जलालाबाद उत्सव आनन्द, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आरके गौतम, पीडीडीआरडीए अवधेश राम सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

सहारनपुर में आज गाजियाबाद में हुए प्रकरण को लेकर अधिवक्ताओ ने न्यायिक कार्यो का किया बहिष्कार

संस्कार उजाला सहारनपुर

सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओ ने एक जुटता दिखाते हुये काली पट्टी बांधकर मनाया विरोध दिवस... सहारनपुर : गाजियाबाद कांड को लेकर सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओ ने काली पट्टी पहनकर विरोध दिवस मनाते हुए न्यायिक कार्यो का बहिष्कार किया- गाज़ियाबाद मे अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज को लेकर वकीलों में काफी आक्रोश है- सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने कहा कि गाजियाबाद में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज होना देशभर के अधिवक्ताओं को अपमान है- जो बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा- उन्होंने कहा कि गाजियाबाद जनपद न्यायाधीश द्वारा न्याय व्यवस्था को छिन्नभिन्न करने का जो प्रयास न्यायालय कक्ष में किया गया। वह हर प्रकार से निंदनीय है- इस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा किसी भी न्यायिक अधिकारी से नहीं की जा सकती- यह सर्व विदित है कि न्यायाधीश बार का ही एक अंग है, किंतु न्यायाधीश स्वयं को अधिवक्ताओं से अलग मानकर कार्य करते चले आ रहे हैं। जिससे न्याय की गरिमा ठेस पहुंच रही है और वादकारियों को उचित न्याय मिलने की संभावनाएं क्षीण होती है-उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं को बोलने से रोका जाता है जबकि अधिवक्ता अपने वादी की आवाज को न्यायालय में रख रहा होता है-जो किसी भी प्रकार से उचित नहीं है

खुटार। नवनिर्वाचित गन्ना समिति पुवायां अध्यक्ष महेंद्र पाल

संस्कार उजाला

खुटार शाहजहांपुर,,

खुटार भाजपा नेता एवं खुटार नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर प्रदीप शुक्ला के खुटार स्थित आवास पर पहुंचे। वहां डॉक्टर प्रदीप के समर्थकों ने भव्य स्वागत किया।और अध्यक्ष जी ने गन्ना किसानों की समस्याओं को सुना। तमाम सम्भांत लोग मौजूद रहे।

वायु सेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट और को-पायलट ने कूदकर बचाई जान

आगरा । यूपी के आगरा में सोमवार को वायु सेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट और को-पायलट ने कूदकर जान बचाई। फिलहाल इस घटना को लेकर वायु सेना की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद पायलट और उसके साथी दो किलोमीटर दूर मिले हैं। गनीमत रही कि पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को कागारौल के सोनिगा गांव के पास खाली खेतों में गिराया। यदि आबादी वाले हिस्से में विमान क्रैश होता तो बड़ी क्षति हो सकती थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक यह मिग-29 विमान था, जो पंजाब के आदमपुर से उड़ा था। फिलहाल घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ है। मौके पर पुलिस बल भी पहुंच गया है।

ईरानी पर्यटक ने मंदिर में नमाज पढ़ने पर मांगी माफी

-ताजमहल देखने आया है ईरानी परिवार

आगरा । आगरा में ताजमहल घूमने आए एक ईरानी ने मंदिर में जाकर नमाज पढ़ी। यह मामला सामने आने और पकड़े जाने के बाद ईरानी परिवार ने माफी भी मांग ली है। ईरानी परिवार ने कहा कि मंदिर में साफ-सफाई देखकर नमाज पढ़ ली थी। बता दें कि ताजमहल के पूर्वी गेट के पास एक मंदिर बना हुआ है। मंदिर के अंदर एक ईरानी पर्यटक ने नमाज़ पढ़ ली। जिसके बाद वहां हंगामा हो गया था। सूचना पर ताज सुरक्षा पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच की तो ईरानी पर्यटक ने बताया कि उन्हें नहीं पता था कि यह मंदिर है। साफ-सफाई देखी तो उन्होंने नमाज पढ़ ली। ईरानी परिवार ने इसे लेकर माफी भी मांग ली है। मामला सोमवार का बताया जा रहा है। इस दौरान पुलिस ने पर्यटकों से बातचीत की और उनका पासपोर्ट चेक किया। पूछताछ में ईरानी परिवार ने बताया कि ताजमहल देखने के बाद बाहर आये तो काफी भीड़ जमा थी। ईरानी परिवार ने कहा कि मंदिर का दरवाजा खुला हुआ था और मंदिर में कोई भी नहीं था। बाद में पता लगा कि यह मंदिर है। पिता और बेटी ने माफी मांगी और कहा कि वह किसी की भी धार्मिक भावना को आहत नहीं करना चाहते हैं। ईरानी परिवार का माफी मागने का वीडियो भी वायरल हुआ है। एसीपी अरीब अहमद ने मौखिक तौर पर बताया कि ईरानी परिवार ताजमहल घूमने आया था। उन्होंने गलती से मंदिर में नमाज पढ़ ली थी। ईरानी परिवार ईरान में प्रोफेसर के पद पर है।

लॉरेंस के भाई ने दी भीम सेना अध्यक्ष को धमकी, सलमान से पहले तुझे मारुंगा

गुरुग्राम। एनसीपी नेता की हत्या करवाने और सलमान खान को धमकी देने वाले गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई के खिलाफ सेक्टर-37 थाना पुलिस ने जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। शिकायत भीम सेना के अध्यक्ष सतपाल तंवर ने दर्ज कराई है। तंवर का कहना है कि 30 अक्टूबर शाम छह बजकर 25 मिनट से लेकर रात नौ बजकर 37 मिनट पर उन्हें चार बार विदेशी नंबर से वाट्सएप कॉल आई। विदेशी नंबर होने की वजह से उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। रात नौ बजकर 48 मिनट पर जब फिर कॉल आई, तो उन्होंने उठाया। कॉल उठाते ही कहा फिल्म अभिनेता सलमान खान उसका दुश्मन है और उसको मारने से पहले सतपाल तंवर को मारेगा। उसने कहा कि वह कनाडा से अनमोल बिश्नोई बोल रहा है। इसके बाद भी कई बार फोन करके धमकी दी। शिकायत के मुताबिक अप्रैल में भी उनके पास लॉरेंस बिश्नोई के नाम से धमकी भरा पत्र आया था। पुलिस प्रवक्ता का कहना है कि शुरुआती छानबीन से पता चलता है कि कॉल करने वाले की आवाज अनमोल बिश्नोई से मेल नहीं खा रही है। मामले की छानबीन क्राइम ब्रांच व साइबर क्राइम ब्रांच की टीम कर रही है।

गर्म लोहे से दागा, सिगरेट से जलाया, नाबालिग की हत्या कर टॉयलेट में फेंका

-लड़की घर में करती थी नौकरानी का काम, पुलिस ने किया दंपति को गिरफ्तार

चेन्नई। चेन्नई में एक नाबालिग लड़की का शव घर के टॉयलेट में मिलने से सनसनी फैल गई थी। वह नाबालिग लड़की घर में नौकरानी का काम करती थी जिसको प्रताड़ित करने और उसकी हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक दंपती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में चार अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। जांचकर्ताओं के मुताबिक नाबालिग लड़की को चेन्नई के अमिनजिकराई क्षेत्र के मेहता नगर स्थित एक फ्लैट में गंभीर यातनाएं दी गईं। उसे गर्म लोहे से दागने, सिगरेट से जलाने और अन्य क्रूरता का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। आरोपित दंपती निशाद और नासिया ने कथित तौर पर लड़की के शव को घर के टॉयलेट में छोड़ दिया और फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया और अन्य चार लोगों को भी हिरासत में लिया है। यह घटना समाज में घरेलू कामकाजी लोगों के प्रति बढ़ते हिंसा और शोषण के मामलों को उजागर करती है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पीड़िता को न्याय दिलाने ठोस कदम उठा रही है।

एआई में वृद्धि होने के कारण 2030 तक कई गुना बढ़ेगा ई कचरा

नई दिल्ली । भारत में जिस तरह से एआई मॉडल का तेजी से विकास हो रहा है। उसको देखते हुए रिपोर्ट में कहा गया है। 2030 तक 10 अरब आईफोन के बराबर ई कचरा भारत में एकत्रित होगा। यह कचरा भारत के लिए बड़ी समस्या खड़ा करेगा। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी और चीन की वाइनीज एकैडमी आफ साइंसेज के शोधकर्ताओं ने नेचर जर्नल में एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। उस रिपोर्ट में एआई सर्वर की वजह से जो ई कचरा बढ़ेगा। उसकी संभावनाओं पर काम किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार 2023 तक 2.6 किलो टन प्रतिवर्ष ई कचरा था। जो 2030 तक लगभग 2.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष हो जाएगा।

महिला सुरक्षा के मुद्दे पर बीजेपी ने सोरेन सरकार पर साधा निशाना

शिवराज सिंह चौहान ने कहा, झारखंड में बेटियां सुरक्षित नहीं

रांची (एजेंसी)। झारखंड चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सोरेन सरकार पर जमकर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री और झारखंड में बीजेपी के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर कहा कि राज्य की बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। चौहान ने कहा कि सोरेन सरकार ने राज्य की महिलाओं और युवाओं के लिए कुछ भी नहीं किया है। इसलिए जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकेगी। क्योंकि यह एक भ्रष्ट सरकार है। शिवराज सिंह ने कहा कि राज्य में हर दिन पेपर लीक के मामले सामने आ रहे हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने पेपर लीक करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का संकल्प लिया है। जिस दिन राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी, यहां के युवाओं को रोजगार देने का काम किया जाएगा। झारखंड में महिलाओं के खिलाफ हिंसा, बलात्कार, हत्या और घरेलू हिंसा के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में यह न सिर्फ महिलाओं के लिए असुरक्षित माहौल पैदा कर रहा है, बल्कि राज्य सरकार की सुरक्षा प्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। महिलाओं को लेकर सरकार के खिलाफ आक्रोश और असंतोष बढ़ता जा रहा है।

रोटी, बेटी और माटी की रक्षा करेगी बीजेपी

शिवराज ने कहा कि भाजपा रोटी, बेटी और माटी की रक्षा करेगी। चौहान ने आगे कहा कि राज्य में कांग्रेस और जेएमएम का गठबंधन चक्रवात दाना से भी अधिक खतरनाक है। बता दें कि राज्य में सोरेन की सरकार के लिए महिला सुरक्षा और रोजगार के मुद्दा एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध और बढ़ती बेरोजगारी दरों ने राज्य सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ऐसे में झारखंड विधानसभा चुनावों में भाजपा सोरेन सरकार को घेरने के लिए महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं को रोजगार देने का मुद्दा उठा रही है।

फारूक अब्दुल्ला की गिरफ्तार की मांग को लेकर बजरंग दल का प्रदर्शन

जम्मू । आतंकवादी हमलों में बढ़ोतरी पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की टिप्पणी के खिलाफ सोमवार को जम्मू में बजरंग दल ने प्रदर्शन किया। इस दौरान बजरंग दल वालों ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला का बयान सशस्त्र बलों और लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। बजरंग दल के कार्यकर्ता जम्मू के जनरल बस स्टैंड के बाहर जमा हुए और फारूक अब्दुल्ला और नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष का पुतला भी जलाया तथा मांग की कि फारूक अब्दुल्ला को गिरफ्तार किया जाए। इस मौके पर बजरंग दल जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष राकेश बजरंग ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला ने यह कहकर पाकिस्तान के पक्ष में बयान दिया है कि आतंकवादियों को नहीं मारा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं कि फारूक अब्दुल्ला आमतौर पर देश के खिलाफ बोलते हैं। राकेश ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला को सेना और भारत के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। हम ऐसे बयानों को बर्दाश्त नहीं कर सकते, जब हमारे सैनिक देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे रहे हैं, वह अपनी सेना विरोधी और सरकार विरोधी बयानबाजी के लिए भी जाने जाते हैं। हम उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

पुराने वादे पूरे नहीं किए, नए वादों की बौछार कर रही कांग्रेस और भाजपा : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने भाजपा और कांग्रेस के घोषणा पत्रों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि इन पार्टियों ने चुनाव में मिथ्या प्रचार और वादों की भरमार लगा रखी है। मायावती ने कहा कि देश में व्यापक स्तर पर गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, साफ पानी और कानून व्यवस्था जैसी बुनियादी जरूरतों का अभाव है, इससे करोड़ों लोग त्रस्त और परेशान हैं।

मायावती ने भाजपा और कांग्रेस की सरकारों पर आरोप लगाकर कहा कि वे आरोप-प्रत्यारोप की नकारात्मक राजनीति में व्यस्त हैं, खासकर महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर। उन्होंने कहा, जनता देख रही है कि इनके पिछले वादों का क्या हाल हुआ है। बहनजी ने बताया कि कांग्रेस और भाजपा, दोनों ने अपने चुनावी वादों को पूरा नहीं किया है। इन पार्टियों के वादे होते ही हैं, लोगों को गुमराह करने के लिए, और सरकार बनने के बाद उन्हें भुला दिया जाता है। इसकारण हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की कांग्रेसी सरकारों पर वादाखिलाफी का आरोप लग रहा हैं।

मायावती ने उपचुनाव के दौरान भाजपा और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे जनहित और जनकल्याण से ज्यादा धर्म के कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, बसपा चुनाव में जनता को गुमराह करने वाला कोई घोषणा पत्र जारी नहीं करती है। हमारा उद्देश्य करोड़ों गरीबों, मजलूमों और बेरोजगारों के प्रति ईमानदारी से काम करना है।

मायावती ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के पिछले अनुभवों के मद्देनजर, यह स्वाभाविक है कि जनता उनसे पूछे कि वे अपने वादों को क्यों नहीं निभाते।

कर्नाटक में ऐतिहासिक स्मारकों पर वक्फ बोर्ड ने ठोका दावा...एएसआई ने दिखाया आईना

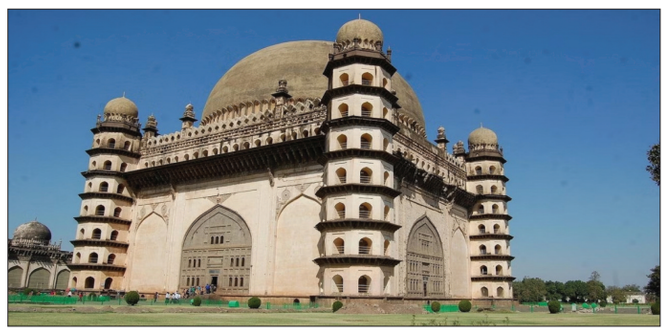

मुंबई (एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। वक्फ बोर्ड इन दिनों काफी चर्चा में है। वक्फ की संपत्ति को लेकर राजनीतिक गलियारों में जमकर विवाद दिख रहा है। इसी कड़ी में अब वक्फ बोर्ड ने विश्व विरासत घोषित हो चुके ऐतिहासिक स्मारकों पर भी अपना दावा ठोक दिया है। वक्फ बोर्ड ने कर्नाटक के 43 ऐतिहासिक स्मारकों पर दावा ठोका है। इसमें गोल गुम्बज, इब्राहिम रौजा, बारा कमान और बीदर व कलबुर्गी शामिल हैं। इन 53 स्मारकों में से 43 विजयपुरा में हैं। विजयपुरा वक्फ बोर्ड ने 2005 में 43 स्मारकों पर अपना दावा ठोक दिया था। इन ऐतिहासिक स्मारकों का मालिकाना हक वक्फ बोर्ड के पास नहीं है।

नियमों के मुताबिक, एक बार जब किसी ऐतिहासिक स्मारक का मालिकाना हक एएसआई अपने अधिकार क्षेत्र में ले लेता है, तब उस किसी को दूसरे को नहीं भेजा जा सकता है। ऐसी स्थिति में सवाल पैदा होता है, कि आखिर किस आधार पर वक्फ बोर्ड इन संपत्तियों पर अपना दावा ठोक रहा है। एएसआई के अधिकारी के मुताबिक, इन ऐतिहासिक स्मारकों के साथ छेड़छाड़ हो रहा है। इसके लिए सीमेंट और अन्य सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है, ताकि उसकी मूल पहचान को बदला जा सके। लेकिन, एएसआई ने स्पष्ट कर दिया है कि इस छेड़छाड़ को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

एएसआई अधिकारियों के मुताबिक, इन ऐतिहासिक स्मारकों में पंखे, एसी, ट्यूबलाइट और टॉयलेट जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, ताकि इसकी मूल पहचान को बदल सके। इसमें से कुछ ऐतिहासिक स्मारकों में दुकानें भी बन चुकी है। इससे यहां आने वाले पर्यटकों को भी खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके पहले वक्फ बोर्ड ने किसानों की जमीन पर भी दावा ठोका था, जिसे देखकर किसानों ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के संबंध में बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को पत्र लिखा था। इस पत्र में किसानों ने बैठक में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी, ताकि वे भी अपना मत खुले दिल से रख सके।

10 नवंबर को सेवानिवृत होंगे चीफ जस्टिस चंद्रचूड़, अयोध्या पर दिया था फैसला

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत की सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, अगले सप्ताह रिटायर हो रहे हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ 10 नवंबर को सेवानिवृत होंगे और यह संयोग है कि नौ नवंबर को अयोध्या मामले में आए फैसले को पांच साल पूरे हो रहे हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ गत जुलाई में अयोध्या गए थे और रामलला के दर्शन किए थे। वह संभवत: पहले सीजेआई हैं, जो रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या गए। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने 9 नवंबर 2019 को अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में अपना फैसला सुनाया था। इस फैसले में जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, पूर्व प्रधान न्यायाधीश एसए बोबड़े, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस एस अब्दुल नजीर शामिल थे। पीठ के अन्य चार न्यायाधीश पहले ही रिटायर हो चुके हैं। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने हाल ही में अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट की दशहरे की छुट्टियों के दौरान अपने पैतृक गांव के दौरे के दौरान कहा था कि अयोध्या विवाद के समाधान के लिए उन्होंने भगवान से प्रार्थना की थी, जो कि उनके इस बयान की चर्चा का विषय बना। चंद्रचूड़ का कार्यकाल महत्वपूर्ण निर्णयों से भरा है और उनके रिटायर होने के बाद देश के न्यायिक इतिहास में उनके योगदान को याद किया जाएगा।

अखिलेश यादव का बीजेपी पर तंज... चुनाव टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। त्योहारों को देखते हुए चुनाव आयोग ने वोटिंग को एक हफ्ते तक टालने का फैसला किया है। अब उत्तर प्रदेश, केरल और पंजाब में 13 नवंबर की जगह उपचुनाव 20 नवंबर को होंगे। चुनाव आयोग के इस फैसले के बाद समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे। उनके इस पोस्ट को सीएम योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि 13 नवंबर को होने वाली उपचुनाव की वोटिंग को टालने के लिए कांग्रेस, बीजेपी समेत कई दलों ने चुनाव आयोग से अपील की थी। पार्टियों का कहना था कि कई त्योहारों के चलते 13 नवंबर को वोटिंग कम हो सकती है। हालांकि, चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को ही आएंगे। अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा- टालेंगे तो और भी बुरा हारेंगे! पहले मिल्कीपुर का उपचुनाव टाला, अब बाकी सीटों के उपचुनाव की तारीख, बीजेपी इतनी कमजोर कभी न थी। दरअसल बात ये है कि यूपी में महा-बेरोजगारी की वजह से जो लोग पूरे देश में काम-रोजगार के लिए जाते हैं, वो दिवाली और छठ की छुट्टी लेकर प्रदेश आए हुए हैं, और उपचुनाव में बीजेपी को हराने के लिए वोट डालने वाले थे। जैसे ही बीजेपी को इसकी भनक लगी, उसने उपचुनावों को आगे खिसका दिया, जिससे लोगों की छुट्टी खत्म हो जाए और वो बिना वोट डाले ही वापस चले जाएं। ये बीजेपी की पुरानी चाल है- हारेंगे तो टालेंगे।

बीजेपी ने तारीखों में बदलाव के लिए दिया था ज्ञापन

बता दें कि बीजेपी ने उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उप-चुनाव की तारीखों में बदलाव की मांग को लेकर चुनाव आयोग को ज्ञापन दिया था। बीजेपी प्रतिनिधिमंडल ने कहा था कि 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा होने की वजह से कुंदरकी, मीरापुर, गाजियाबाद और प्रयागराज में लोग तीन चार दिन पहले इकट्ठे जो जाते हैं। ऐसे में चुनाव आयोग को कार्तिक पूर्णिमा को ध्यान में रखते हुए तारीखों में बदलाव करना चाहिए। बीजेपी की मांग थी कि 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को चुनाव कराए जाएं।

रायबरेली दौरे पर रहेंगे राहुल गांधी, विकास परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास

-उपचुनाव में राहुल प्रचार करेंगे या नहीं चर्चाओं का दौर शुरु

नई दिल्ली, (एजेंसी)। यूपी में विधानसभा की 9 सीटों होने वाले उपचुनाव के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को रायबरेली का दौरा करेंगे। इस दौरे में राहुल गांधी कई महत्वपूर्ण बैठकों और उद्घाटन कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वह जिला समन्वय की बैठक और दिशा की बैठक में शामिल होंगे, जहां अमेठी के सांसद केएल शर्मा भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा राहुल रायबरेली के शहीद चौक का उद्घाटन करेंगे और कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। सांसद राहुल का यह दौरा सुबह 10:30 बजे फुरसतगंज एयरपोर्ट से शुरू होगा, जहां से वह सड़क मार्ग से डिग्री कॉलेज चौराहा पहुंचेंगे और शहीद चौक का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह कलेक्ट्रेट परिसर स्थित बचत भवन में दिशा की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक का उद्देश्य विकास परियोजनाओं की समीक्षा और समन्वय में सुधार करना है। राहुल गांधी का यह दौरा यूपी उपचुनाव के बीच हो रहा है, जिससे यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे उपचुनाव में प्रचार करेंगे। हालांकि कांग्रेस ने इस पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से जब कांग्रेस से सीट शेयरिंग पर पूछा तो उन्होंने पुष्टि की कि उनकी कांग्रेस नेताओं से बातचीत हुई थी। यह उपचुनाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि अखिलेश भी इस बार व्यक्तिगत रूप से प्रचार करने उतरने वाले हैं। आमतौर पर सपा के उम्मीदवार स्थानीय नेताओं के नेतृत्व में ही चुनावी मुकाबला करते रहे हैं, लेकिन इस बार अखिलेश खुद मैदान में होंगे। इस बदलाव को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन को मजबूत बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश और राहुल गांधी का एक साथ उपचुनाव में प्रचार करना कांग्रेस और सपा के गठबंधन को जनता के सामने एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश कर सकता है। इंडिया गठबंधन के चलते दोनों पार्टियों का साथ आना, खासतौर पर यूपी जैसे बड़े राज्य में, विपक्ष को एक नई ऊर्जा दे सकता है। हालांकि, राहुल गांधी के प्रचार में शामिल होने की पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन इसे लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरु हो गई है। राहुल गांधी का रायबरेली दौरा सिर्फ एक विकास कार्यों की समीक्षा के लिए नहीं है बल्कि कांग्रेस के लिए यूपी में अपना आधार मजबूत करने की दिशा में एक कदम भी माना जा रहा है। यह दौरा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उत्साह और नई दिशा देने का अवसर है, खास कर तब जब यूपी उपचुनाव में पार्टी की स्थिति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उनके दौरे से जहां रायबरेली में कांग्रेस की सक्रियता दिखाई देगी, वहीं उपचुनाव में उनकी उपस्थिति या प्रचार की संभावना विपक्षी गठबंधन के बीच नए समीकरण बनाने में मददगार साबित हो सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में देखना होगा कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव एक साथ प्रचार अभियान में उतरते हैं या नहीं।

छठ पूजा नहाय-खाय के साथ आज से होगी शुरु, प्रशासन ने की सभी तैयारियां पूरी

-गंगा और सहायक नदियों के करीब 550 घाटों पर श्रद्धालु करेंगे पूजा

पटना (एजेंसी)। चार दिवसीय छठ महापर्व मंगलवार को नहाय-खाय के साथ शुरु होगा। बुधवार को खरना अनुष्ठान होगा, गुरुवार शाम को पहला अर्घ्य और शुक्रवार सुबह अंतिम अर्घ्य देने के बाद यह पर्व संपन्न हो जाएगा। छठ पूजा पर पटना के घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है और इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी की हैं। इस बार गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से कुछ चुनौतियां आई, लेकिन जिला प्रशासन ने सभी घाटों को पूरी तरह से तैयार किया है।

पटना में गंगा और सहायक नदियों के करीब 550 घाटों पर श्रद्धालु छठ पूजा करते हैं। पटना नगर निगम ने 102 गंगा घाटों पर छठ पूजा की व्यवस्था की है। इसके अलावा, 45 पार्क और 63 तालाबों पर भी छठ पूजा की जाएगी। सभी घाटों और तालाबों पर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अधिकारी तैयारियों पर नजर रख रहे हैं।

निगम ने 512 अस्थायी शौचालय, 450 अस्थायी यूरिनल और पीने के पानी के लिए 185 नल लगाए हैं। इसके साथ ही 50 पानी के टैंकर और 37 चापाकल उपलब्ध कराए हैं। 355 अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए हैं और 154 वाच टावर सुरक्षा निगरानी के लिए लगाए गए हैं। 97 मुख्य और 13 सहायक नियंत्रण कक्ष और 14 यात्री शेड स्थापित किए हैं।

छठ पूजा के दौरान सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। 333 गोताखोर, 306 नाव एवं सिविल डिफेंस के 168 वालंटियर भी तैनात रहेंगे। डीएम पटना ने निर्देश दिया है कि किसी भी प्रकार की नाव का संचालन नहीं होगा, चाहे वह प्रचार-प्रसार के लिए हो या मनोरंजन के लिए। नाव संचालन पर पूरी तरह से प्रतिबंध है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नदी में लगातार रिवर पेट्रोलिंग की व्यवस्था भी की है।

नैशनल एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित हुई देश की महान शख्सियतें

करनाल। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया एंव ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल फेडरेशन द्वारा नैशनल एक्सीलेंस अचीवर्स अवार्डस समारोह एंव करप्शन फ्री इंडिया व् ह्यूमन राइट्स सेमीनार का भव्य आयोजन नैशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा की अध्यक्षता में हुआ जिसमें सेलिब्रिटी चीफ गेस्ट के रूप में अभिनेता रजा मुराद, अवतार गिल व् राकेश बेदी ने शिरकत की। इस अवसर पर वीवीआईपी गेस्ट डॉ रणजोध सिंह , कमल नारंग , कविता गुप्ता , सुमन सूद , सिमी सूद , पवन शर्मा , विशाल काठ , गौरव गाबा , डॉ निशा गुप्ता , एमडी शाहनवाज अब्बासी व् हरीश चंद्रा थे , सेलिब्रिटी गेस्ट्स व्

वीवीआईपी गेस्ट्स का कार्यक्रम में आगमन फूलों की वर्षा , आतिशबाजी व् ढोल धमाके के साथ धूमधाम से हुआ। सभी ने भव्य कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की। नरेंद्र अरोड़ा ने कहा की फाउंडेशन व् फेडरेशन एंटी करप्शन व् मानवाधिकरों की जागरूकता के लिए देश भर में कार्य कर रहे हैं। स अवसर पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नरेंद्र भाम्भा, पवन कुमार कंसल, सत नारायण गर्ग व् नैशनल एक्सीलेंस अवार्ड से डॉ अंकित वर्मा , नीलम ठाकुर, डॉ अनिल सेठी , लक्की संधू , सुधीर खट्टर , उदय शंकर , अधिवक्ता सुरेंद्र राणा , विकास जैन , योगेश गोयल , रवि शंकर अग्रवाल , एमडी नसीम आलम , आशुतोष चतुर्वेदी, रविंद्र शर्मा , अधिवक्ता नसरीन जहाँ, दानिश अब्बासी , राकेश सोनी , हरीश वधावन , विकास कुमार , रमेश कुमार बंसल , मुकेश गुलाटी , राजिंदर सिंह ग्रेवाल , प्रमोद कुमार अग्रवाल , बलविंदर सिंह , जशनदीप , डॉ देवकला शर्मा , ब्रिजेन्दर प्रसाद, विनोद कुमार , विकास गर्ग , अजय गर्ग , बिंदु सैनी , स्नेहलता धीमान , अजय कुमार , डॉ महेश गुप्ता , सतपाल , रेनू बाला , पुष्पेंदु सिंह , अधिवक्ता अक्षत मित्तल , शमीम अहमद , योगीन्द्र प्रकाश , नवजोत , आदित्य कुमार चतुर्वेदी, शक्तिचंद , विनोद चौहान , राजिंदर कुमार सिधांति, हरजीत सिंह सलूजा , आरके शर्मा , के पी अग्रवाल , संदीप कुमार , अजीत राही, सतीश मल्होत्रा , कमल गोयल , गुरप्रीत सिंह , पायल मित्तल व् राजेश खन्ना को सम्मानित किया गया।

निराश्रित बच्चों को दी जा रही है प्रति माह 1850 रुपये की वित्तीय सहायता-डीसी

करनाल। डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि जिला में 21 वर्ष तक की आयु का बच्चा जो अपने माता-पिता की सहायता अथवा देखभाल से उनकी मृत्यु होने के कारण, अपने पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता के लम्बी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण वंचित हो जाते हैं और जिनके माता-पिता, अभिभावक की सभी साधनों से वार्षिक आय दो लाख से अधिक नहीं है। वह बच्चा हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता का लाभ पात्र है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त विभाग द्वारा एक परिवार में दो बच्चों तक 1850 रुपये प्रति माह प्रति बच्चा पेंशन प्रदान की जा रही है। डीसी ने बताया कि उपरोक्त स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति के पास बेसहारा होने का प्रमाण पत्र, बच्चों के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र व आवेदक का 5 वर्ष या उससे अधिक की अवधि का हरियाणा राज्य में निवासी होने का दस्तावेज जैसे कि फोटोयुक्त वोटर कार्ड या राशन कार्ड आदि की स्व-सत्यापित फोटोप्रति सहित परिवार पहचान पत्र होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आवेदक के पास यदि उपरोक्त दस्तावेजों में से कोई दस्तावेज नहीं है तो वह कोई अन्य प्रमाण पत्र सहित 5 वर्ष से हरियाणा में रिहायश का हलफनामा दे सकता है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे के माता-पिता या अभिभावक किसी भी सरकार द्वारा पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहा है वो उपरोक्त स्कीम का लाभ नहीं ले पाएंगे। स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक प्रार्थी अपने नजदीकी अंत्योदय सरल केंद्र, अटल सेवा केंद्र सहित सीएससी केंद्र पर आवेदन कर सकते हैं।

फसल अवशेष प्रबंधन अपना कर प्राप्त करें प्रोत्साहन राशि- डीसी डा. वीरेंद्र दहिया

पानीपत। धान उत्पादक किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के लिए हरियाणा सरकार एक हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी। उपायुक्त डाक्टर वीरेंद्र कुमार दहिया ने यह जानकारी देते हुए बताया कि किसान धान की कटाई के बाद अपने खेत में आग ना लगाएं। आग लगाने से वायु प्रदूषण होता है और मिट्टी के पोषक तत्व भी नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन योजना एसबी-82, 2024-25 के तहत अवशेषों को मशीनों की सहायता से मिट्टी में मिलाने पर किसानों को प्रति एकड़ एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया गया है। उपायुक्त ने कहा कि धान अवशेषों को मिट्टी में मिलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढेगी तथा वातावरण को स्वच्छ रखने में सहायता मिलेगी। जिला के किसान हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, रिवर्सेबल एमबी प्लॉव व जीरो टिल सीड ड्रील की सहायता से धान अवशेषों को मिट्टी में मिलाकर प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदक किसान को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है । उपायुक्त ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए किसान को विभागीय पोर्टल एग्रीहरियाणा.जीओवी.इन पर आवेदन करना होगा। ग्राम स्तरीय कमेटी (वीएलसी) से सत्यापन करवाना होगा तथा जीपीएस लोकेशन के साथ फसल प्रबंधन की फोटो अपलोड करनी होगी। उसके बाद पात्र किसानों को प्रोत्साहन राशि का लाभ दे दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जो किसान पराली को जलाएंगे, उन पर 2500 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। एफआईआर दर्ज होगी व मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर एंट्री दर्ज कर दी जाएगी।

समाधान शिविर: 2 शिकायतों की हुई सुनवाई, दोनो पर कार्रवाई शुरू- अशोक कुमार, उप निगमायुक्त

करनाल। नगर निगम के उप निगमायुक्त ने बताया कि आमजन की शिकायतों का समाधान करने के मकसद को लेकर नगर निगम कार्यालय में समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। सोमवार को शिविर में आए नागरिकों की सम्मान के साथ शिकायतें सुनी गई। उन्होंने जानकारी देते बताया कि समाधान शिविर में कुल 2 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जो भूमि शाखा तथा विद्युत शाखा से सम्बंधित हैं। दोनो शिकायतों के समाधान को लेकर नगर निगम की ओर से कार्रवाई प्रारम्भ कर दी गई है, जिसका समाधान कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि समाधान शिविर में प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत को गम्भीरता से लिया जाए। शिविर में आने वाले आम आदमी को त्वरित समाधान दिया जाए। उन्होंने सभी शाखा प्रभारियों को भी आदेश दिए हैं कि समाधान शिविर में आई शिकायत का शीघ्र अति शीघ्र निपटान करवाया जाए। अगर किसी शिकायत को मौके पर समाधान नहीं हो सकता, तो उसका निश्चित समयावधि में समाधान करवाना सुनिश्चित किया जाए। उप निगमायुक्त ने बताया कि प्रत्येक कार्य दिवस को नगर निगम कार्यालय के कॉफ्रेंस हाल में प्रातः 9 से 11 बजे तक समाधान शिविर लगाया जाएगा। अगर किसी नागरिक की नगर निगम से सम्बंधित शिकायत है, तो वह समाधान शिविर में आकर उसका हल करवा सकता है। समाधान शिविर में क्षेत्रीय कराधान अधिकारी अंकुश पराशर, कर अधीक्षक सुनील कुमार, नायब तहसीलदार राम कुमार के अतिरिक्त विभिन्न शाखाओं के कर्मचारी मौजूद रहे।

हकृवि की बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ हुआ समझौता

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी की तरफ से श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है। एच एच बी 67 संशोधित के नर जनक एच77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि

अतिशीघ्र पकना; शुष्क रोधिता; अगेती; मध्यम व पछेती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्विंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य बिमारियों के रोगरोधी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जयंती टोकस, डा. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. सोमबीर, डॉ. देवव्रत यादव व डॉ. हर्षदीप उपस्थित रहे।

चुनावी खर्च का ब्यौरा अनिवार्य : खर्च पर्यवेक्षक अनुराग दूबे

पानीपत। विधानसभा 2024 के आम चुनाव में जिन उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था उनके खर्च के ब्यौरे को लेकर चुनाव खर्च पर्यवेक्षक अनुराग दुबे आईआरएस ने सोमवार को जिला सचिवालय के प्रथम तल पर स्थित सभागार में विभिन्न राजनीतिक दलों, निंदलीय उम्मीदवारों के साथ बैठक कर आगामी 7 नवम्बर तक खर्च का ब्यौरा देने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि चुनावी खर्च का ब्यौरा देना अनिवार्य है। जो भी उम्मीदवार इसकी अवेहलना करेंगे चुनाव आयोग की गाइड लाइन के अनुसार उन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ.वीरेन्द्र कुमार दहिया ने कहा कि जिन उम्मीदवारों ने खर्च का ब्यौरा नहीं दिया है उन्हें इस पर संज्ञान लेना चाहिए व आगामी 3 दिनों में खर्च का ब्यौरा देना होगा। चारों विधानसभा क्षेत्रों में अलग अलग स्थानों पर टेबलें लगाई जाएगी जहां उम्मीदवार 7 नवम्बर तक निश्चित समय अवधि में अपना ब्यौरा दर्ज करवा सकते है।

उपायुक्त ने कहा कि चुनाव लड़ चुके उम्मीदवारों के लिए चुनाव खर्च का ब्यौरा देना अनिवार्य है। इसमें किसी भी तरह की कोताही न बरतें। जो उम्मीदवार कोताही बरतेंगे भारत निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के अनुसार अगले चुनाव में उन्हें ब्लैक लिस्ट किया जा सकता है, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो सकती है और उनके चुनाव लडने पर पाबंदी लग सकती है।

उपायुक्त ने कहा कि जो उम्मीदवार चुनाव लड़ चुके है उन्हें चारों विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लडने वाले उम्मीदवारों से अपील की कि वे आयोग के दिशानिर्देश की पालना करते हुए आगामी 3 दिनों में चुनाव संबंधी इस प्रक्रिया को पूरा करें।

उपायुक्त ने सभी चारों विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने कार्यालय के बाहर यह सुनिश्चित करें कि जो उम्मीदवार खर्च का ब्यौरा देने के लिए पहुंच रहे है उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने कहा कि जिन उम्मीदवारों ने विधानसभा का चुनाव लड़ा है वे अपने खर्च का अपडेट दें किसी तरह की भी गलती न करें। इस मौके पर चुनाव तहसीलदार सुदेश राणा, कानूनगो सोनिया, धर्मबीर दहिया के अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवार मौजूद रहे।

टोहाना तहसील में बिचौलिए छोड़ रखे हैं रजिस्ट्री व इंतकाल करवाने के खुले आम पैसे लिए जा रहे हैं- बजरंग गर्ग

टोहाना- व्यापारी प्रतिनिधियों की मीटिंग हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग लेने के उपरांत निजी होटल में पत्रकार वार्ता में कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री प्रदेश में बिना खर्ची व पर्ची काम होने के दावे करते हैं मगर सच्चाई उससे परे है। हरियाणा में तहसीलों में खुला भ्रष्टाचार का बोलबाला है। तहसीलों में बिना पैसे दिए ना तो रजिस्ट्री होती है ना ही इंतकाल होता है। टोहाना तहसील में बिचौलिए छोड़ रखे हैं रजिस्ट्री व इंतकाल करवाने के खुलेआम पैसे लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी को तहसीलों में हो रहे भ्रष्टाचार की जांच करवा कर टोहाना सहित सभी सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में ऐसा कोई सरकारी विभाग नहीं जहां पर बिना सेवा शुल्क दिए काम हो रहे हो। सरकारी अधिकारी सेवा शुल्क लेना तो अपना जीवन सिद्ध अधिकार समझते हैं। सरकार को भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाते हुए भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में प्रॉपर्टी आईडी के नाम पर

करोड़ों रुपए का घोटाला हुआ है। सरकार प्रॉपर्टी आईडी बनाने वाली जयपुर की कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके उनसे पैसों की वसूली करनी चाहिए जबकि ढाई साल से प्रदेश का व्यापारी व आम जनता अपनी प्रॉपर्टी आईडी ठीक करवाने के लिए धक्के खा रहे हैं और प्रॉपर्टी आईडी ठीक करवाने के लिए पैसे देने पड़ रहे हैं। बजरंग गर्ग ने कहा कि अपराधियों द्वारा फतेहाबाद जिले में कपड़ा व्यापारी के यहां पर फायरिंग करके 20 लाख रुपए की फिरौती मांगने से हरियाणा के व्यापारियों में भय का माहौल है। दो दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा अपराधियों को ना पकड़ने से व्यापारियों में रोष है। सरकार को हरियाणा में अपराध को खत्म करने के लिए पुलिस विभाग में स्पेशल फोर्स का गठन करना चाहिए। फायरिंग करके फिरौती मांगने वाले अपराधियों को उनके हिसाब से मौके पर ही पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए।इस अवसर पर व्यापार मंडल के प्रदेश प्रवक्ता पवन वधवा, शहरी प्रधान राजेंद्र ठकराल, युवा प्रधान जोनी मेहता,अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय महासचिव चूड़ियां राम गोयल, अग्रवाल सभा प्रधान रमेश गोयल,अनाज मंडी प्रधान मेघराज बंसल, बाबूराम, गौरव पहावा, दीपक सेतिया, सुमित भाटिया, साहिल बंसल, सुशील जैन, पार्षद अशोक गर्ग, बलबीर शर्मा, सचिन भाटिया, मोहित बंसल, ओम प्रकाश खुराना, निखिल सिंगल, रमन मौर्य, वीरेंद्र झाम, पवन गिरधर, बाली प्रधान, महेंद्र भाटिया, नवीन गोयल, कर्मवीर बसल, मुल्क राज, राजू सपड़ा, सुरेंद्र चावला, वरुण चावला, अमनदीप, महेश कुमार, कपिल गर्ग, आयुष कुमार, हैरी सिंह, अशोक मेहता, शुभकरण जैन आदि प्रतिनिधि मौजूद थे।

विधायक जगमोहन आनंद ने निवास स्थान पर सुनी जनसमस्याएं, बोले- आम लोगों को योजनाओं का मिल रहा सीधा लाभ

करनाल। करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने सोमवार सुबह अपने निवास स्थान पर आमजन की समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने एक-एक व्यक्ति की समस्या पर संज्ञान लिया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का गरीब व्यक्तियों को लाभ मिल रहा है। सरकार के दरवाजे 24 घंटे लोगों की सेवा के लिए खुले हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं के समाधान के प्रति वे गंभीर है वह हमेशा उनके हितों के बारे में चिंतन करते रहते हैं। करनालवासियों की खुशहाली के लिए लोगों की समस्याओं दूर होना आवश्यक है। अधिकारी इसमें रुचि लेकर कम से कम समय में लोगों की समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने कहा कि करनाल की जनता ने उन्हें विधायक चुनकर हरियाणा विधानसभा पहुंचाया है। यह जिम्मेदारी वह बखूबी निभाएंगे और करनाल से जुड़ी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करवाएंगे। उन्होंने कहा कि करनाल के सांसद व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी समस्याओं के संबंध में गंभीर है। यदि कोई विशेष समस्या सामने आती है तो तत्काल वे भी संज्ञान लेते हैं।

कांग्रेस में होते हैं एक्सीडेंटल पीएम और सीएम, भाजपा में योग्यता से बनते है मुख्यमंत्री-सुभाष चन्द्र

करनाल। कांग्रेस और भाजपा नेताओं के बीच जुबानी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस नेता सुरजेवाला द्वारा मुख्यमंत्री नायब सैनी के लिए एक्सीडेंटल शब्द का इस्तेमाल करने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने पलटवार किया है। आज जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि एक्सीडेंटल पीएम और एक्सीडेंटल सीएम कांग्रेस में होते है। भाजपा में मुख्यमंत्री योग्यता के आधार पर बनते है। उन्होंने कहा कि रणदीप सिंह सुरजेवाला को पहले कांग्रेस के इतिहास को पढ़ना चाहिए जहां योग्यता की कोई कीमत नहीं होती केवल एक परिवार के प्रति निष्ठा और चापलूस लोगों को ही आगे बढ़ाया जाता है। सुभाष चंद्र ने कहा कि नायब सैनी ने चुनाव के दौरान जो कड़ी मेहनत की और जनता का विश्वास जीता उसकी मिसाल बहुत कम मिलती है। उन्होंने दिन रात एक कर सर्व समाज को भाजपा के पक्ष में एकजुट किया और प्रचंड बहुमत से हरियाणा में सरकार बनाई।

वास्तव में नायब सैनी सर्वजन के नेता हैं। उनके नेतृत्व में अब हरियाणा नॉनस्टॉप विकास के पथ पर आगे बढ़ने जा रहा है।

कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए सुभाष चन्द्र ने कहा कि कांग्रेस के नेता जिस तरीके से टीका-टिप्पणी कर रहे हैं, यह उनके मानसिक दिवालियापन की निशानी है। लोकतंत्र में लोकमत की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए राजनीतिक दलों को राजनीतिक मर्यादा का सम्मान करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सुरजेवाला 2019 में जींद उपचुनाव न केवल हारे बल्कि तीसरे नंबर रहे और अपनी जमानत भी बड़ी मुश्किल से बचा पाए। इसके बाद 2019 में कैथल से विधानसभा चुनाव हारे। अब वे राज्यसभा सांसद हैं, वे भी दूसरे प्रदेश से, यहां से कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा भी नहीं भेजा। वाइस चेयरमैन ने कहा कि नायब सैनी 3 बार विधायक बन चुके हैं और एक बार लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं।

विजिलेंस अवेयरनेस वीक का समापन समारोह धूमधाम से मनाया गया

करनाल। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया एंव इंटरनेशनल करप्शन कंट्रोल ब्यूरो द्वारा सेंट्रल विजिलेंस कमीशन के विजिलेंस अवेयरनेस वीक 2024के समापन दिवस पर भव्य समारोह का आयोजन डिवेंचर होटल में किया गया जिसकी अध्यक्षता नैशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा ने की। इस अवसर पर उपस्थित फाउंडेशन के पदाधिकारियों एंव सदस्यों ने सत्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण की, इस अवसर पर नरेंद्र अरोड़ा ने उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए कहा की एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा सेंट्रल विजिलेंस कमीशन के विजिलेंस अवेयरनेस वीक 2024 के अंतर्गत 28 अक्टूबर से लेकर 3 नवंबर तक विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन किए गए और समापन दिवस पर डिवेंचर होटल में समापन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा की विजिलेंस अवेयरनेस वीक का आरम्भ फाउंडेशन द्वारा शेखुपुरा खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया था, उन्होंने कहा की विजिलेंस अवेयरनेस वीक 2024 का शीर्षक सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि रहा। उन्होंने कहा की फाउंडेशन द्वारा देश के सभी राज्यों में विजिलेंस अवेयरनेस वीक के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किये गए। उन्होंने कहा की सेंट्रल विजिलेंस कमीशन निरंतरता से लोगो को भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक करता है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन सम्पूर्ण भारतवर्ष में भ्रष्टाचार उन्मूलन जागरूकता के लिए कार्य करता है। फाउंडेशन द्वारा भ्रष्टाचार उन्मूलन जागरूकता से संबंधित प्रतियोगिताओं एंव सेमिनारों का आयोजन किया जाता है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से राजेश गर्ग, डॉ निशा गुप्ता, पायल मित्तल, रमा तिवारी, रूपा, दीपिका, अजीत राही, महेश हसीजा, संदीप कुमार, सुरिंदर मोहन गाबा, हरीश वधावन, देवेंद्र कुमार, डॉ सुरेंद्र नागिया, पवन कंसल, कमल गोयल, संजीव गर्ग, भूपेंद्र गोयल, राजेंद्र ग्रेवाल , रमेश बंसल, राकेश बंसल, आर के शर्मा, हरजीत सिंह सलूजा, रमेश अत्रेजा, अवतार सिंह तारी, प्रदीप त्यागी, केपी अग्रवाल , राजन छिब्बर आदि उपस्थित रहे।

एसपी गंगाराम पुनिया ने पुलिस अधीक्षक के तौर पर करनाल का कार्यभार संभाला

करनाल। आईपीएस अधिकारी गंगाराम पुनिया ने पुलिस अधीक्षक का पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि जिला करनाल के सभी थाना व चौंकीयों में शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निर्धारित समय में व कानून के दायरे में रहते हुए प्राथमिकता के आधार पर निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला करनाल में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ मुख्य कार्य महिला विरूद्ध अपराधों के मामलों में त्वरित व उचित कार्यवाही, नशे के कारोबार पर सख्त कार्यवाही करने, लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता से निपटारा करना व जिला के मुख्य स्थानों पर पुलिस की दृश्यता बढ़ाना होगा।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए एसपी ने कहा कि पूर्व में घटित अपराधों व लंबित मामलों की समीक्षा कर उनका तीव्रता से निपटारा किया जाएगा। हम सुनिश्चित करेंगें कि पुलिस और पब्लिक के बीच समन्वय स्थापित हो जिससे लोगों के मन में कानून के प्रति विश्वास बढ़े। हमारी कोशिश होगी कि पुलिस के

स्लोगन सेवा, सुरक्षा व सहयोग को चरितार्थ किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था को ओर बेहतर करने व लोगों को सुरक्षित माहौल प्रदान करने पर जोर दिया जाएगा एवं जनता से अपील की कि यातायात नियमों का पालन करें और अपनी व दूसरों की जान की हिफाजत करें। नशा करने वाले व्यक्तियों के संबंध में उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को जागरूक कर, खेलों व अन्य माध्यमों से समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

जिला प्रशासन एवं जिला गंगा संरक्षण समिति द्वारा गंगा उत्सव-2024 कार्यक्रम आयोजित

पर्यावरण, जल, नदी आदि की सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी:श्री इन्द्र विक्रम सिंह जिलाधिकारी

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। गंगा नदी को राष्ट्रीय नदी घोषित किये जाने के उपरान्त नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन एवं जिला गंगा संरक्षण समिति द्वारा शासन के दिशा-निदेर्शों के क्रम में गंगा उत्सव-2024 कार्यक्रम हिन्दी भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चित्रकला व पेटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री इन्द्र विक्रम सिंह जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम आयोजनकताओं द्वारा जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह, डीएफओ सुश्री ईशा तिवारी, सिविल डिफेंस चीफ वार्डन श्री ललित जायसवाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके उपरान्त जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपस्थित जनसभा को सम्बोधित किया गया। जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह ने सर्वप्रथम पुराणों के अनुसार मां गंगा के पृथ्वी पर अवतरण की संक्षिप्त कथा सभी को सुनाई। उन्होने कहा कि हमें हमेशा जरूरत के अनुसार ही किसी भी चीज का उपयोग/प्रयोग करना चाहिए। जरूरत से ज्यादा करने पर वह हम सभी के लिए नुकसानदायी है। पहले के लोग तालाब, नदी आदि जगहों पर स्नान करते थे, धीरे-धीरे लोग अपने घरों में आ गये क्योंकि कुछ लोगों की गलत आदतों के कारण तालाब, नदी गंदे हो गये है, जिस कारण वहां स्नान कर पाना मुश्किल है। वर्तमान में हम लोगो घरों में भी सावर (फुवारा), बाथटब आदि या अ त्याधिक पानी का उपयोग कर नहाते एवं अन्य कार्य करते है। इसी प्रकार जल का दुरूपयोग होता रहा तो आने वाले समय में अपने बच्चों को पानी सिर्फ पीने लायक ही बचेगा। अतः जल का कम से कम या आवश्यकतानुसार ही उपयोग करें। यदि कोई व्यक्ति सोचता है कि उसके करने से क्या होगा तो यह गलत सोच है उसे देखा-देख और भी करेंगे। इसलिए पर आप सुधरों तभी तुम्हें देख जग सुधरेगा। हमें पर्यावरण सहित अन्य जागरूकता के कार्यों को जमीनी स्तर पर जरूर करना चाहिए। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अनेक प्रकार से सभी को पर्यावरण, जल, नदी आदि के बारे में जागरूक करने हेतु अनेक प्रकार के विशेष बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया। जिलाधिकारी ने कहा कि हम सभी को 10-10 लोगों को उक्त सभी विषयों पर जागरूक करना चाहिए। यदि हम सभी लोग जागरूक हो जायेगें तो वह दिन दूर नहीं कि हमारी धरती स्वर्ग से भी सुन्दर हो जायेगी। जिलाधिकारी के सम्बोधन के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा गणेश वन्दना, गंगा मैया पर अनेक प्रकार के गीत/भजन का गुणगान व सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रतियोगियों को पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया और आने वाले मतदान दिवस पर मतदान करने एवं कराने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में गंगा समिति, जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उनके अभिभावक व अध्यापक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय उर्दू अवार्ड से सम्मानित किए गए शिक्षक नाजिम अली

संस्कार उजाला

रिपोर्ट:- सलीम खान/आसिम अजीज

रामपुर। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय उर्दू शिक्षक कर्मचारी संघ (पंजीकृत) की तरफ से बेसिक शिक्षा की श्रेणी में 3 नवंबर को दिल्ली के प्रसिद्ध हाल गालिब अकादमी में नाजिम अली को राष्ट्रीय उर्दू अवार्ड दिया गया। शिक्षक नाजिम अली रामपुर के बेसिक शिक्षा विभाग में पिछले 30 वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस समय वह रामपुर के सैदनगर ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय अहमदनगर कलाँ में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। नाजिम अली को यह उर्दू अवार्ड उर्दू भाषा, साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। इस पुरस्कार के लिए संगठन के अध्यक्ष वासिल अली की अध्यक्षता वाली चयन समिति की

तरफ से राष्ट्रीय उर्दू अवार्ड के लिए उनका चयन किया गया था। यह सम्मान प्रत्येक वर्ष उर्दू भाषा, साहित्य और शिक्षा एवं अध्यापन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। जैसे ही यह खबर उनके छात्र एवं छात्राओं तथा उनके मिलने वालों को पता लगी तो सभी में खुशी की लहर दौड़ गई और सभी ने उनको मुबारकबाद दी। इस अवसर पर दिल्ली में उनके साथ बिलासपुर के खंड शिक्षा अधिकारी मजरुल इस्लाम, रामपुर के एसआरजी डॉ सरफराज अहमद, संगठन के उपाध्यक्ष मौलाना रहमत अली, मुस्तफा अली, अरशद अली, अनीसा लतीफ, डॉ रजिया बी आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी जोगिन्दर सिंह की अध्यक्षता में तहसील मिलक में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

संस्कार उजाला

रिपोर्ट:- सलीम खान/आसिम अजीज

रामपुर। उत्तर प्रदेश तहसील मिलक में सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 27 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिला गन्ना अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता जल निगम के अनुपस्थित पाए जाने तथा अपने अधीनस्थों को सम्पूर्ण समाधान दिवस में भेजे जाने पर प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने के निर्देश दिए। अधिशासी अभियन्ता विद्युत को गत कई सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि

आमजन की शिकायतों को लम्बित न रखा जाए तथा संज्ञान आने पर ऐसे लापरवाह अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में ग्राम तिरहा में श्मशान घाट की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत पर जिलाधिकारी ने लेखपाल को निर्देशित करते हुए कहा कि श्मशान घाट की भूमि को त्वरित कब्जा मुक्त किया जाए तथा साथ ही अवैध कब्जा करने वाले के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराते हुए भूमाफिया घोषित किया जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस से सम्बन्धित प्रकरण, चकरोड, भूमि की पैमाइश कराने एवं अवैध कब्जा आदि की शिकायतें/प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए। इसी प्रकार तहसील स्वार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 17 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 09 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 01 शिकायतों का निस्तारण किया गया। तहसील टांडा में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 14 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 3 शिकायत का निस्तारण मौके पर किया गया। तहसील शाहबाद में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 12 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 2 शिकायत का निस्तारण मौके पर किया गया।

इजराइल मे यहूदियों पर हमला युद्ध नहीं, जिहादीयों की कायरता का कलयुगी राक्षसी रुप था। रविंद्र आर्य

आर्यावर्त्त के आर्यो ने सनातन धर्म के युद्ध कों सदैव गौरब सम्मान प्रकृति की सुरक्षा के अनुकूल लड़ा।

संस्कार उजाला

रिपोर्ट: रविंद्र आर्य

हमारा सनातन धर्म हमें आध्यात्मिक संदेश देता है, जो मनुष्य को प्रकाश की ओर ले जाता है और उसे प्रकृति के मूल्यों का वास्तविक रूप समझने का अवसर प्रदान करता है। भगवान ने हमें त्योहारों का उत्सव मनाने का अवसर दिया है ताकि हम इन मूल्यों को संजो सकें। योगी पुरुष श्रीकृष्ण, जो महाभारत के नायक हैं, को यूँ ही भगवान नहीं कहा जाता। महाभारत के युद्ध में भले ही लाखों वीर मारे गए हों, लेकिन यह युद्ध खुली धरती पर हुआ, और ऐसा कोई उदाहरण नहीं मिलता कि एक भी पेड़ को क्षति पहुँची हो या कोई निर्दोष मारा गया हो। श्रीकृष्ण ने प्रकृति के महत्व और उसकी रक्षा के मूल्य को गहराई से समझा और इसे संजोए रखा। आज के युद्ध की तुलना में, जो कार्बन युद्ध का रूप ले चुका है, बमों से अरबों-खरबों जीव-जंतु मारे जाते हैं और प्रकृति को भारी नुकसान होता है। वर्तमान समय में मानवता और प्रकृति का विनाश हो रहा है, और मानव विवेक और बुद्धि से हीन हो गया है। 7 अक्टूबर को हुए अमानवीय अत्याचार को इसी से समझा जा सकता है, जहाँ निर्दोष बच्चों, महिलाओं को धोखे से मारा गया और बर्बरता

का नंगा नाच खेला गया। ये लड़ाई कायरता की पराकाष्ठा थी, जिसे कुछ लोग ₹जिहाद₹ कहकर महिमामंडित करते हैं, परंतु यह केवल निदोर्षों का संहार है। विशेष समुदाय को कलियुग के राक्षस के रूप में देखा जा रहा है, जो मानवता और नैतिकता के सभी सीमाओं का उल्लंघन कर रहा है। इजराइल में यहूदियों पर किया गया हमला युद्ध नहीं था, बल्कि जिहादियों की कायरता का कलयुगी राक्षसी रूप था। यह हमला निर्दोष लोगों पर अत्याचार और आतंक फैलाने का प्रयास था, जिसमें मानवीय मूल्यों, शांति और सद्भावना का उल्लंघन किया गया। युद्ध का सिद्धांत साहस और मयार्दा से जुड़ा होता है, लेकिन इस कृत्य में केवल हिंसा और क्रूरता दिखी, जो कायरता का प्रतीक था। इजराइल और भारत दोनों ही दशकों से आतंकवादी और जिहादी गुटों के क्रूर और अमानवीय हमलों का सामना कर रहे हैं। इजराइल को जहां ईरान समर्थित प्रॉक्सी गुटों का सामना करना पड़ता है, वहीं भारत को पाकिस्तान द्वारा समर्थित आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों से जूझना पड़ता है। ये प्रॉक्सी गुट एक विशेष विचारधारा के आधार पर सीमा पार से तथाकथित ₹जिहाद₹ के नाम पर युद्ध छेड़ते हैं, जिसमें निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जाता है। ईरान और पाकिस्तान इन संगठनों का समर्थन और संरक्षण

करके उन्हें युद्ध के लिए तैयार रखते हैं, और इस प्रकार आतंक को बढ़ावा देते हैं। इजराइल के द्वारा लगाए गए आरोप वाकई गंभीर हैं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करते हैं। यह आरोप कि संयुक्त राष्ट्र से संबंधित संस्थाएं, जो शांति और बच्चों की सेवा के लिए काम करती हैं, गुप्त रूप से जिहादी प्रॉक्सी गुटों के समर्थन में शामिल होकर एक तरह के छल-कपट युद्ध में संलग्न हैं, यह चिंताजनक स्थिति है। यदि ऐसे आरोपों में सच्चाई है, तो यह इन संस्थाओं के उद्देश्यों और उनकी विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाता है। मीडिया, विशेष रूप से अल जजीरा जैसे चैनल पर भी इजराइल द्वारा लगाए गए आरोप कि वे आतंकवादी गुटों के प्रति सहानुभूति रखने वाले दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं, और इजराइल के खिलाफ जासूसी या नकारात्मक प्रचार में भूमिका निभाते हैं, यह उनकी निष्पक्षता और पत्रकारिता के सिद्धांतों पर भी सवाल खड़ा करता है। मीडिया का काम है निष्पक्ष और तथ्यात्मक जानकारी देना, ताकि लोग सच्चाई को समझ सकें। लेकिन यदि मीडिया किसी एक पक्ष का समर्थन कर रहा है या किसी विशेष विचारधारा को प्रचारित कर रहा है, तो वह अपनी निष्पक्षता और स्वतंत्रता खो बैठता है। इस तरह का ₹छल युद्ध₹ मानवता के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है, क्योंकि इससे न केवल शांति स्थापना के प्रयासों को ठेस पहुँचती है, बल्कि इन संस्थाओं पर निर्भर लाखों लोगों का भरोसा भी टूटता है। ऐसे आरोपों की निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है ताकि अंतरराष्ट्रीय मंच पर सच्चाई सामने आ सके और मानवता की सेवा करने वाले संगठनों की प्रतिष्ठा बरकरार रहे। सनातन धर्म का युद्ध सदैव गौरव और सम्मान का युद्ध रहा है। महाभारत से लेकर राजपूताना, मराठा, पृथ्वीराज चौहान, रानी लक्ष्मीबाई तक, हमारे पूर्वजों ने युद्ध लड़े लेकिन हमेशा शांति, सम्मान और प्रकृति का आदर किया। रावण जैसे प्रतापी योद्धा भी, जिनके गुण आज तक गाए जाते हैं, उन्होंने युद्ध को एक नैतिकता और धर्म की रक्षा के रूप में देखा था। हमारे पूर्वजों के युद्ध में कभी भी प्रकृति का विनाश नहीं हुआ। यही संदेश श्रीकृष्ण ने पवित्र गीता के माध्यम से हमें दिया है। उन्होंने हमें समझाया कि युद्ध तभी होना चाहिए जब यह धर्म की रक्षा के लिए अनिवार्य हो और उसे भी सद्भावना, नैतिकता और संयम से करना चाहिए। सनातन का यह संदेश हमें आत्मनिरीक्षण की प्रेरणा देता है, ताकि हम जीवन में सद्भाव, संयम और प्रकृति की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे सकें। आर्यावर्त के आर्यों ने सनातन धर्म के सिद्धांतों के अनुसार युद्ध को सदैव गौरव, सम्मान और प्रकृति की सुरक्षा के अनुकूल लड़ा। उनके लिए युद्ध केवल विजय का साधन नहीं था, बल्कि धर्म, न्याय और सत्य की स्थापना के लिए एक साधना थी। वे हमेशा धर्म, प्रकृति और मानवता का सम्मान करते हुए युद्ध में उतरते थे, जिसमें हिंसा का अनावश्यक प्रयोग न करके संतुलन और प्रकृति की रक्षा को प्राथमिकता दी जाती थी। यही कारण था कि उनके युद्ध नीति में न केवल वीरता बल्कि मयार्दा, करुणा और पर्यावरण संरक्षण की भावना भी समाहित थी।

यूपी से दिल्ली तक वकीलों की हड़ताल

संस्कार उजाला

गाजियाबाद गाजियाबाद कोर्ट रूम में 29 अक्टूबर को वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस घटना के विरोध में आज उत्तर प्रदेश और दिल्ली डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के वकील हड़ताल पर हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के बाहर वकीलों ने पुतला जलाया। गाजियाबाद के जिला जज को बर्खास्त करने की मांग की। गाजियाबाद कचहरी परिसर में धरने पर वकील बैठ गए हैं। मेन गेट बंद कर दिए हैं। इससे लोगों को गेट फांदकर आना-जाना पड़ रहा है। वकीलों की मांग है कि सबसे पहले जिला जज अनिल कुमार को हटाया जाए और लाठीचार्ज करने वाले पुलिस अफसरों पर कार्रवाई हो। इधर, पूरा मामले में गाजियाबाद बार एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए इस केस की रक्ळ जांच की मांग की है। यूपी बार काउंसिल की जांच टीम पूरे केस की जांच करने आज गाजियाबाद पहुंचेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011